संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 315
पृष्ठ 8
मंगलवार
04 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- प्यार के गलियारों में चर्चा में...

विचार- युवाओं की मेहनत, पारदर्शिता...

खेल- कर्फ्यू में कुर्सी को बल्लेबाज...

यूपी विधानसभा

चढ़ावा चोरी पर विपक्ष को दें मुंहतोड़ जवाब : मुख्यमंत्री

लखनऊ,संवाददाता। विधानमंडल सत्र को लेकर भाजपा विधानमंडल दल की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन की रणनीति के साथ ही सपा समेत विपक्ष को घेरने की रणनीति पर भी विधायकों से खुलकर बात की। उन्होंने भाजपा और सहयोगी दलों के मंत्रियों को जहां पूरी तैयारी से सदन में कम शब्दों में सटीक जवाब देने की तैयारी के साथ सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए। सीएम ने खास तौर से जेन–जी और जेन–अल्फा को सपा सरकार में युवाओं के खिलाफ किए गए करतूतों की जानकारी देने के लिए युवाओं के निरंतर संवाद करने को कहा।

लोकभवन में हुई बैठक में सीएम ने कहा कि 18 से 25 वर्ष के युवा जो नए वोटर बने हैं, वे 2017 से पहले की सपा सरकार की करतूतों को नहीं जानते हैं। उस समय वो अपने मां–बाप के संरक्षण में पल रहे होंगे। इसलिए

सभी विधायक इस आयु वर्ग (जेन–जी) के युवाओं से नियमित संवाद करें, सोशल मीडिया के जरिये सपा सरकार में हुए कारनामों की उन्हें जानकारी दें। सपा के कार्यकाल में किस तरह से माफिया राज डंका बजता था उसके बारे में बताएं। सपा राज में अपहरण, बलात्कार छेड़खानी आम बात थी। लड़कियों का स्कूल जाना दुश्वार था। भाजपा सरकार ने इसे समाप्त कर दिया। जिन युवाओं ने सपा सरकार के इस माहौल को नहीं देखा है उनके साथ हमें संवाद स्थापित करने के लिए यूनिवर्सिटी, कॉलेज, स्कूलों तक जाना होगा। ब्लॉक स्तर तक काम करना होगा। योगी ने विधायकों से श्री राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण पर भी विपक्ष को अक्रामकता के साथ जवाब देने को कहा। कहा, सभी को मालूम है कि इस मामले में साधु–संतो, भाजपा या आरएसएस की कोई भूमिका नहीं। फिर भी सनातन विरोधी विपक्ष चुनावी लाभ के लिए इस मामले में भ्रामक प्रचार कर रहा है। सभी जानते हैं कि चंदा चोरी में एक निजी संस्था के जो लोग शामिल थे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो रही है। फिर भी विपक्ष खास तौर से सपा के लोग इस मुद्दे को लेकर झूठे नैरेटिव गढ़ रहे हैं। सभी विधायकों को इसका जवाब देना चाहिए।

बैठक में सीएम पार्टी विधायकों को नसीहत दी कि ऐसा कोई अनर्गल बयानबाजी न करें, जिसे सरकार और संगठन को असहजता का सामना करना पड़े। सीएम ने कहा कि सांसद–विधायक एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी से बचें। सार्वजनिक तौर पर एक–दूसरे के खिलाफ अमर्यादित बात न करें। सीएम ने कहा कि विपक्ष के नेता दलित महापुरुषों का किस तरह अपमान करते हैं, यह भी जनता को बताना होगा। योगी ने प्रयागराज में फिरोज गांधी की कब्र की बदहाली पर चिंता जताते हुए कहा कि जो काम कांग्रेस को करना चाहिए वह भाजपा करेगी। उन्होंने फिरोज गांधी के कब्र की सफाई कराने की जिम्मदेरी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को देते हुए कहा कि अब भाजपा के लोग ही इस कब्र की साफ–सफाई कराएंगे।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच खनन और फार्मास्यूटिकल्स में सहयोग की अपार संभावनाएं : राष्ट्रपति

नयी दिल्ली,एजेंसी। तीन अगस्त राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच खनन क्षेत्र (विशेष रूप से दुर्लभ खनिज), खेती, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उज्बेकिस्तान गणराज्य के विदेश मंत्री सैदोव बख्तियार ओडिलोविच राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मिलने आए थे। इस दौरान मुर्मू ने कहा कि दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं, जिनकी जड़ें प्राचीन व्यापारिक मार्गों से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि स्थापत्य कला, भाषा, खान–पान, संगीत और धार्मिक परंपराओं में साझा विरासत ने दोनों देशों की साझेदारी को और मजबूत किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि उज्बेक प्रतिनिधिमंडल में उच्च–स्तरीय नेताओं की मौजूदगी और इस यात्रा के दौरान भारत–उज्बेकिस्तान व्यापार मंच

का आयोजन, दोनों तरफ के व्यवसायों का एक–दूसरे के बाजारों में बढ़ता भरोसा दिखाता है। राष्ट्रपति कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने खनन क्षेत्र (विशेषकर दुर्लभ खनिज), कृषि, फार्मास्यूटिकल्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सहयोग की अपार संभावनाओं पर भी जोर दिया। मुर्मू को यह जानकर खुशी हुई कि उज्बेकिस्तान के 3,000 से अधिक अधिकारी, पेशेवर और छात्र देश के आईटीईसी (इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य छात्रवृत्ति कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि 16,000 से अधिक भारतीय छात्र भी उज्बेकिस्तान में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच वे एक पुल का काम करते हैं और आपसी समझ एवं लोगों के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देते हैं। बयान में कहा गया है कि दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि इस यात्रा के दौरान हुई बातचीत दोनों देशों के बीच मित्रता, भरोसे और सहयोग के रिश्तों को और प्रगाढ़ करेगी।

ई20 पेट्रोल के विरोध में नागपुर में कांग्रेस का प्रदर्शन

नागपुर,एजेंसी। नागपुर में सोमवार को इथेनॉल मिश्रित ई20 पेट्रोल को लेकर राजनीतिक विरोध तेज हो गया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के आवास का घेराव करने के लिए मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। बैरिकेड पार करने की कोशिश के दौरान कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। इस बीच कांग्रेस ने ई20 ईंधन नीति पर सरकार को घेरा, जबकि केंद्र सरकार ने एक बार फिर इस नीति का बचाव किया। युवा कांग्रेस का विरोध मार्च नागपुर के महल क्षेत्र स्थित चिंतामणि पार्क चौक से शुरू हुआ। प्रदर्शनकारी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के निजी आवास तक पहुंचकर विरोध दर्ज कराना चाहते थे। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर आवास के आसपास भारी बल तैनात किया था और कई स्थानों पर बैरिकेड लगाए गए थे। जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान नारेबाजी हुई और कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। कांग्रेस लगातार ई20 ईंधन नीति का विरोध कर रही है। पार्टी का कहना है कि संसद में 29 जुलाई को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा दिए गए जवाब के बाद भी कई सवालों के स्पष्ट उत्तर नहीं मिले हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि देशभर से वाहन मालिकों और मैकेनिकों की ओर से म्20 पेट्रोल को लेकर माइलेज में कमी, इंजन के प्रदर्शन पर असर, पुराने वाहनों में तकनीकी दिक्कतें और ठंड के मौसम में स्टार्टिंग जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि इन मुद्दों पर सरकार को विस्तृत और पारदर्शी जानकारी देनी चाहिए। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मुंबई में आयोजित प्रेस वार्ता में ई20 नीति की स्वतंत्र जांच की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नीति से वाहन मालिकों को नुकसान हुआ है और सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के इस्तीफे की भी मांग की। युवा कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने भी कहा कि उपभोक्ताओं को ई20 के साथ–साथ सामान्य पेट्रोल खरीदने का विकल्प उपलब्ध होना चाहिए, ताकि लोग अपनी जरूरत और वाहन की क्षमता के अनुसार ईंधन का चयन कर सकें।

वडोदरा की मांजलपुर सीट पर भाजपा की बड़ी जीत

वडोदरा,एजेंसी। गुजरात के वडोदरा जिले की मांजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शानदार जीत दर्ज की है। भाजपा उम्मीदवार सतीश गोविंदभाई पटेल ने कांग्रेस प्रत्याशी भीखाभाई रबारी को 30 हजार से अधिक मतों के बड़े अंतर से हराकर सीट अपने नाम कर ली। मतगणना के दौरान शुरुआत से ही भाजपा को बढ़त मिलती रही और कांग्रेस किसी भी चरण में मुकाबले में वापसी नहीं कर सकी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मतगणना मकरपुरा स्थित भवन्स स्कूल परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 8 बजे शुरू हुई। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में दर्ज मतों की गिनती चरणबद्ध तरीके से की गई। गणना के शुरुआती राउंड से ही भाजपा उम्मीदवार सतीश पटेल लगातार बढ़त बनाए रहे। अंतिम परिणाम में उन्हें 55,481 वोट प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस के भीखाभाई रबारी को 24,851 वोट मिले। दोनों उम्मीदवारों के बीच जीत का अंतर 30,630 वोट रहा। वहीं छव्ज। के पक्ष में 2,247 मतदाताओं ने मतदान किया। मांजलपुर विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को उपचुनाव के लिए मतदान हुआ था, जिसमें केवल 37.5 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

न पुलिस को अत्यधिक बल प्रयोग की छूट मिले, न अपराधी को संरक्षण : सीजेआई

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई की। याचिकाओं के एक समूह में उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है, जिन पर प्रदर्शन के दौरान जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने का आरोप है।

कुछ याचिकाएं उन सरकारी अधिकारियों की ओर से भी दायर की गई हैं, जिन्हें कथित तौर पर प्रदर्शन के दौरान चोटें आई थीं। एक याचिका प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर भी दायर की गई है। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ इन मामलों की सुनवाई कर रही है। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने शीर्ष कोर्ट से कहा, पिछले

आदेश के मुताबिक अब तक हलफनामा दाखिल नहीं किया गया है। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों (एफआईआर) के मामले में क्या किया जाना है, इसे लेकर कुछ गलतफहमी या संवाद की कमी हुई थी। मुझे सरकार की ओर से यह कहने का निर्देश मिला है कि सरकार अपने इस वादे को पूरा करने के लिए गंभीर है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, मैंने इसको लेकर वृंदा ग्रोवर से चर्चा की है। हमें यह देखना होगा कि इसे किस तरह आगे बढ़ाया जाए। वकील वृंदा ग्रोवर ने कहा, मुद्दा यह है कि एफआईआर वापस ली जाएंगी या उन्हें रद्द किया जाएगा। यह मामला शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर था। ये युवा लोग हैं, जिनका पूरा जीवन उनके आगे है। एफआईआर रद्द कराने के लिए भी हमारे पास बिहार, बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से जुड़े मामले हैं। राज्यों के साथ बातचीत पूरी होने के बाद हम दोबारा इस कोर्ट के सामने आएंगे।मेहता ने कहा, कानून के तहत जिस भी तरीके से यह संभव होगा, सरकार अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, पहले यह देखना होगा कि कुल कितनी एफआईआर दर्ज हैं। इसके बाद दूसरा काम यह होगा कि उन लोगों को अलग किया जाए, जिनका पहले से कोई आपराधिक रिकॉर्ड है।

मेहता ने कहा, एफआईआर वापस लेना कानूनी तौर पर संभव नहीं है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत-जेन जेड जेन अल्फा से करेंगे संवाद, भारत के भविष्य पर मंथन

नई दिल्ली,एजेंसी। आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत 6 अगस्त को मुंबई में जेन जी और जेन अल्फा (नई पीढ़ी) के युवाओं से बातचीत करेंगे। इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा शहरों के 2,000 से ज्यादा छात्र शामिल होंगे। इसे दुनिया के सबसे बड़े युवा–संचालित सम्मेलनों में से एक माना जा रहा है। भागवत के साथ यह सत्र नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में होगा। यह इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस के सालाना चैंपियनशिप सम्मेलन का उद्घाटन समारोह भी होगा, जो इस साल अपनी 15वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस कॉन्फ्रेंस में 15 से 19 साल की उम्र के हाई स्कूल के छात्र एक साथ आते हैं, और इसमें पूरे भारत के स्कूलों और कॉलेजों के छात्र हिस्सा लेते हैं। यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब युवा लोकतंत्र, नेतृत्व और राष्ट्र–निर्माण से जुड़ी चर्चाओं में तेजी से हिस्सा ले रहे हैं। IIMUN के फाउंडर ऋषभ शाह ने कहा कि भागवत के साथ बातचीत भारत की यात्रा के एक अहम मोड़ पर हो रही है और उन्होंने युवा पीढ़ी की बात सुनने के महत्व पर जोर दिया। शाह ने कहा कि लीडरशिप का मतलब सिर्फ अगली पीढ़ी को गाइड करना ही नहीं, बल्कि उनकी बात सुनना भी है। भारत की यात्रा के इस अहम मोड़ पर, हमें इस बातचीत की पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि मैं श्री मोहन भागवत जी का आभारी हूँ कि उन्होंने इस अहम मोड़ पर इस सभा को संबोधित करने के हमारे निमंत्रण को स्वीकार किया।

काशी और क्योटो के बीच फँसा बनारस

बनारस इन दिनों बड़ी परेशानी में है। उसकी हालत उस बूढ़े पिता जैसी हो गई है जिसके बच्चे उसे आधुनिक बनाने पर तुले हों। कोई उसकी दाढ़ी ट्रिम करना चाहता है, कोई उसके कुर्ते की जगह सूट पहनाना चाहता है, और कोई समझा रहा है कि अगर दुनिया में सम्मान चाहिए तो थोड़ा ष्लोबलष बनना पड़ेगा।

बनारस बेचारा सोच रहा है कि आखिर उसमें कमी क्या थी। हजारों साल से लोग यहाँ आ रहे थे, बिना किसी स्मार्ट सिटी मिशन के। घाटों पर सूर्योदय भी होता था, आरती भी होती थी और जीवन–मृत्यु का कारोबार भी चलता था। लेकिन अचानक उसे बताया गया कि वह पिछड़ा है। अब उसे आधुनिक बनना होगा। फिर किसी ने सलाह दी कि क्योटो जैसा बनो।

क्योटो का नाम सुनते ही बनारस चौंक गया। उसने पूछा, ष्भाई, यह क्योटो कौन है?ष जवाब मिला, ष्जापान का शहर है। उसने अपनी परंपरा उसकी गलियाँ, घाट और गंगा नहीं छीनी जाएँगी। लेकिन जल्द ही उसे समझ में आ गया कि

बचाकर आधुनिकता को गले लगाया है।ष

बनारस ने राहत की साँस ली। उसे लगा कि शायद उससे विकास की भाषा में श्संरक्षणश का अर्थ अक्सर वही होता है जो राजनीति में श्त्यागश का होता हैकृदूसरों से अपेक्षित। कम होते जा रहे हैं। गलियाँ अभी भी हैं, पर उन्हें देखकर कई लोग अफसोस जताते हैं कि इन्हें थोड़ा और चौड़ा क्यों नहीं कर दिया गया। श्रद्धालु अभी भी आते हैं, मगर उनके साथ सेल्फी स्टिक और ड्रोन भी आते हैं। मोक्ष की खोज और इंस्टाग्राम रील, दोनों एक ही फ्रेम में दिखाई देते हैं।

अब बनारस के घाट पहले से ज्यादा चमकते हैं, लेकिन उन पर बैठने वाले बूढ़े नाविक

सबसे दिलचस्प दृश्य तब होता है जब कोई विशेषज्ञ बनारस को समझाने आता है। वह एयर–कंडीशंड सभागार में खड़े होकर बताता है कि बनारस की आत्मा को बचाना कितना ज़रूरी है। उसके प्रस्तुतीकरण में बनारस के इतने नक्शे, चार्ट और मॉडल होते हैं कि स्वयं बनारस को भी संदेह होने लगता है कि वह वास्तव में कहाँ स्थित है।

बनारस की असली त्रासदी यह नहीं है कि वह काशी से दूर जा रहा है या क्योटो के करीब पहुँच रहा है। उसकी त्रासदी यह है कि हर कोई उसके लिए सपना देख रहा है, सिवाय उसके अपने। कोई उसे धार्मिक राजधानी बनाना चाहता है, कोई पर्यटन राजधानी, कोई सांस्कृतिक ब्रांड और कोई वैश्विक विरासत नगर। बेचारे बनारस को आज तक यह तय करने का मौका ही नहीं मिला कि वह खुद क्या बनना चाहता है।

शायद इसी कारण वह आज काशी और क्योटो के बीच फँसा हुआ है। एक हाथ उसे अतीत की ओर खींच रहा है, दूसरा भविष्य की ओर। और बीच में खड़ा बनारस मुस्कुरा रहा है। उसे मालूम है कि योजनाएँ, परियोजनाएँ और नारे आते–जाते रहेंगे। अंत में वही बचेगा जो सदियों से बचता आया हैकृउसकी जिद, उसकी अव्यवस्था, उसका हास्य और उसकी अद्भुत क्षमता कि वह हर बदलाव को अपने ढंग से पचा ले।

आखिर बनारस है। उसे जीतना आसान नहीं, उसे समझना उससे भी कठिन है।

राजेश कुमार ओझा, वाराणसी

जूनियर असिस्टेंट भर्ती मामले में सुनवाई से हटे न्यायमूर्ति, नई पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए भेजा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम ने 3284 पदों की जूनियर असिस्टेंट भर्ती में विवादित प्रश्नों को लेकर दाखिल याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम ने 3284 पदों की जूनियर असिस्टेंट भर्ती में विवादित प्रश्नों को लेकर दाखिल याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। कोर्ट ने ऋषभ मिश्र व 20 अन्य समेत संबंधित सभी याचिकाओं को रिलीज करते हुए उन्हें नई पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश के पास भेज दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि मुख्य न्यायाधीश से अनुमति प्राप्त कर इन मामलों को छह अगस्त को ही उपयुक्त पीठ के समक्ष नए मामले के रूप में प्रस्तुत किया जाए। याची अधिवक्ता ने बताया कि हाईकोर्ट ने इससे पहले जूनियर असिस्टेंट भर्ती में विवादित प्रश्नों से संबंधित पंकज कुमार प्रजापति व 128 अन्य सहित कुल सात याचिकाओं को एक साथ मर्ज करने का निर्देश दिया था। अब न्यायमूर्ति के सुनवाई से अलग होने के बाद इन सभी याचिकाओं पर नई पीठ सुनवाई करेगी।

हाईकोर्ट ने रिमांड आदेश किया रद्द, कहा- गिरफ्तारी का आधार न बताना असांविधानिक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल के गुन्नौर थाना क्षेत्र से जुड़े एक मामले में याची राकेश की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए 20 अप्रैल 2025 को जारी रिमांड आदेश रद्द कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल के गुन्नौर थाना क्षेत्र से जुड़े एक मामले में याची राकेश की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए 20 अप्रैल 2025 को जारी रिमांड आदेश रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी का विशिष्ट आधार बताना अनिवार्य है और यह केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उसका मौलिक अधिकार है। गिरफ्तारी का आधान न बताना असांविधानिक है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने दिया है। मामले में शिकायतकर्ता ने 18 अप्रैल 2025 को एफआईआर दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसकी पत्नी को बहला–फुसलाकर ले गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और मानव तस्करी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार किया। याची ने गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

याची अधिवक्ता ने दलील दी कि गिरफ्तारी मेमो में केवल 'गिरफ्तारी का कारण' दर्ज किया गया लेकिन गिरफ्तारी का ठोस और विशिष्ट आधार नहीं बताया गया। अदालत ने पाया कि जनरल डायरी की प्रविष्टि में भी केवल धाराओं का उल्लेख था और रिमांड मजिस्ट्रेट ने संविधानिक प्रावधानों के अनुपालन की जांच किए बिना यांत्रिक ढंग से रिमांड दे दी। अदालत ने राज्य सरकार की आपत्तियां खारिज करते हुए राकेश को निजी मुचलका भरने पर रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही संभल के सत्र न्यायाधीश को अधीनस्थ मजिस्ट्रेटों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा है।

क्या है अनुच्छेद 22(1)

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 22(1) गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी का कारण जानने का अधिकार और अपनी पसंद के वकील से सलाह लेने का अधिकार देता है।

क्यूआर कोड वाले आई-कार्ड से होगी रेलवे कर्मियों की पहचान

प्रयागराज। भारतीय रेलवे ने कर्मचारियों की पहचान प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल, आधुनिक और पारदर्शी बनाने के लिए क्यूआर कोड वाले पहचान पत्र जारी करने शुरू कर दिए हैं।

उत्तर मध्य रेलवे सहित देश के सभी जोनों और मंडलों में इस नई व्यवस्था को लागू किया जा रहा है, जिससे पारंपरिक कागजी पहचान पत्र जल्द ही पूरी तरह निष्प्रभावी हो जाएंगे। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर आरआइएटीईएस (रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनामिक सर्विस) की ओर से संचालित इस पोर्टल को सीधे एचआरएमएस डेटाबेस से जोड़ा गया है, जिससे ऑफलाइन प्रक्रिया समाप्त हो गई है। अब सभी नियमित कर्मचारियों, अधिकारियों और संविदा कर्मियों को नए क्यूआर कोड युक्त आई कार्ड के लिए एचआरएमएस आईडी के जरिये ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

आवेदन के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा और पोर्टल पर सफेद बैकग्राउंड का हालिया पासपोर्ट फोटो व जरूरी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। इस नई डिजिटल व्यवस्था से ऑन–ड्यूटी चेकिंग के दौरान रेलकर्मियों की पहचान, पदनाम और विभाग का डिजिटल सत्यापन तत्काल हो सकेगा।

इविवि में बीकॉम का चौथा कटऑफ जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) ने बीकॉम में प्रवेश का चौथा कटऑफ जारी किया है। प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से पूरी की जाएगी। जारी कट ऑफ के अनुसार, अनारक्षित वर्ग के लिए 456 से 464 अंक, ओबीसी के लिए 407.85 से 417.85 अंक, ईडब्ल्यूएस के लिए 414 से 423.50 अंक, एससी के लिए 345 से 360.40 अंक व एसटी के लिए 274 से 294 अंक निर्धारित किए गए हैं। चयनित अभ्यर्थियों को तीन से चार अगस्त शाम 4रू55 बजे तक प्रवेश शुल्क जमा करने होंगे। सीट आवंटन की जानकारी अभ्यर्थी इविवि के समर्थ प्रवेश पोर्टल पर अपने लॉगइन में देख सकते हैं। प्रवेश मेरिट व सीटों की उपलब्धता के आधार पर मिलेगा।

इविवि ने पंचवर्षीय इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (बीबीए–एमबीए) में प्रवेश की घोषणा की है। यह प्रवेश प्रक्रिया पंजीकृत छात्रों के लिए है। दाखिले केवल कंबाइंड अंडरग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी–यूजी–2026) के माध्यम से होंगे।

विश्वविद्यालय ने विभिन्न श्रेणियों के लिए कटऑफ अंक जारी किए हैं। सामान्य वर्ग के लिए कटऑफ 493–496 अंक है। ईडब्ल्यूएस के लिए 482–486, ओबीसी के लिए 450.40–456 अंक, अनुसूचित जाति के लिए 374.38–394 व अनुसूचित जनजाति के लिए 331–337 अंक कटऑफ है। शुल्क जमा करने की प्रक्रिया एक अगस्त से शुरू है। सभी श्रेणियों के छात्र सोमवार दोपहर 12.00 बजे तक शुल्क जमा कर सकेंगे।

ठेकेदारी में पांच फीसदी हिस्सेदारी का लालच देकर युवक से धोखाधड़ी

प्रयागराज। मेजा के बंधवा गांव निवासी लवकुश कुमार पुष्कर ने पुलिस को बताया कि उसकी माला–फूल की दुकान है। आरोप है कि मेजा रोड पांती गांव निवासी उमेश सिंह ने उसे ठेकेदारी में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी का लालच देकर उसके नाम से एक फर्म बनवाई। सिविल लाइंस स्थित उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक में खाता खुलवाया। बाद में उसकी मुलाकात रवि सिंह से कराई गई। रवि ने पार्टनरशिप डीड तैयार करने के नाम पर दस्तावेज अपने पास रख लिए।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर पूजे गए देवाधिदेव, मनकामेश्वर महादेव के दर्शन के लिए लगी लंबी कतार

प्रयागराज। श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर संगमनगरी प्रयागराज शिवमय हो उठी। भोर से ही मनकामेश्वर महादेव, सोमेश्वर महादेव, नागवासुकी परिसर के शिवालय, हनुमत निकेतन, कटघर महादेव, शिवकुटी और शहर के अन्य प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं ने गंगाजल, दूध, भांग, धतूरा, बेलपत्र, शमी पत्र, सफेद पुष्प और मिष्ठान अर्पित कर विधि–विधान से भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया। हर–हर महादेव और बम–बम भोले के जयघोष से पूरा शहर शिवमय हो गया।

सावन मास के प्रथम सोमवार को संगमनगरी में शिवालयों पर आस्था का जनसैलाब देखने को मिले। यमुना तट पर स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर समेत हनुमत निकेतन, कटघर समेत अन्य शिव मंदिरों में भक्तों की लंबी कतार लगी है। भोर से ही दर्शन पूजन के लिए भक्त मंदिर पहुंचने लगे। दूध, गंगा जल, भांग, धतुरा और मिष्ठान का अर्पण कर भोलेनाथ की पूजा अर्चना की जा रही है। हर हर महादेव के उद्घोष से पूरा वातावरण शिवमय हो गया है।

यमुना तट स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में तड़के मंगला आरती के बाद से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गई। बड़ी संख्या में कांवड़िए भी गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मनकामेश्वर के अलावा दारागंज स्थित सोमेश्वर महादेव, शिवकुटी, कटघर महादेव, हनुमत निकेतन परिसर के शिवालय, नागवासुकी क्षेत्र और शहर के अन्य शिव मंदिरों में भी सुबह से देर तक श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही।

संगमनगरी में सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

सावन के पहले सोमवार पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी और शक्कर से पंचामृत अभिषेक किया। इसके बाद भांग, धतूरा, बेलपत्र, शमी पत्र, सफेद चंदन, आक के पुष्प, सफेद पुष्प, मौसमी फल और मिष्ठान अर्पित कर परिवार की सुख–समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मनोकामना पूर्ति की कामना की। मंदिरों में रुद्राष्टाध्यायी, महामृत्युंजय मंत्र और शिव चालीसा का पाठ भी हुआ।

दिन भर लगी रही भक्तों की कतार

पौराणिक मान्यता के अनुसार सावन का प्रत्येक सोमवार भगवान शिव की आराधना के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान के बाद शिवलिंग का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और श्द्ध नमः शिवायश मंत्र का जप विशेष पुण्यदायी माना जाता है। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर दिनभर भगवान शिव की उपासना की।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार प्रथम सोमवार पर ब्रह्म मुहूर्त से लेकर पूर्वाह्न तक जलाभिषेक और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व रहा। सूर्योदय के बाद प्रातःकालीन बेला में शिव पूजा को अत्यंत शुभ माना गया। मंदिरों में पूरे दिन दर्शन–पूजन का क्रम चलता रहा और शाम की आरती में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

भीड़ को देखते हुए प्रमुख मंदिरों में बैरिकेडिंग, पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए। पुलिस और प्रशासन की टीमें लगातार व्यवस्था संभालती रहीं। स्वयंसेवकों ने कतारबद्ध तरीके से श्रद्धालुओं को दर्शन कराए। देर शाम तक हर–हर महादेव और बम–बम भोले के जयघोष से पूरा प्रयागराज भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

सांसद अफजाल अंसारी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, शस्त्र लाइसेंस दुरुपयोग के मामले गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी को बड़ी राहत देते हुए शस्त्र लाइसेंस के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामले में उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार से जवाब भी तलब किया है। इस मामले में दो शस्त्र लिपिक गौरी शंकर और सुग्रीव तिवारी को भी आरोपी बनाया गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराने के मामले में समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी को राहत दी है। एफआईआर को चुनौती देते हुए दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिस पर हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक अफजाल अंसारी की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी।

गाजीपुर के थाना कोतवाली में 22 जुलाई 2026 को अफजाल अंसारी के खिलाफ शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप है कि उन्होंने संबंधित शस्त्र लिपिक के साथ मिलीभगत कर शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराई। इसी एफआईआर को रद्द कराने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग को लेकर अफजाल अंसारी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत से निर्देश प्राप्त करने और जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा गया। इस पर हाईकोर्ट ने सरकार को समय देते हुए अगली सुनवाई तक अफजाल अंसारी की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी।

शस्त्र लिपिक को भी बनाया गया है आरोपी

इस मामले में तत्कालीन शस्त्र लिपिक गौरीशंकर लाल और शस्त्र लिपिक द्वितीय सुग्रीव तिवारी को भी आरोपी बनाया गया है। तीनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 409, 120–बी, 419 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 21, 25 और 30 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मंच से नाम न लेने पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से ही भिड़ गया कांग्रेस नेता, लोगों ने किया बीच-बचाव

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित शंकर मेमोरियल हॉल में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के सामने ही कांग्रेसी आपस में भिड़ गए। नौबत हाथापाई तक पहुंच गई और प्रदेश अध्यक्ष को हस्तक्षेप करना पड़ा।

सिविल लाइंस स्थित शंकर मेमोरियल हॉल में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के सामने ही कांग्रेसी आपस में भिड़ गए। नौबत हाथापाई तक पहुंच गई और प्रदेश अध्यक्ष को हस्तक्षेप करना पड़ा। दरअसल, समीक्षा बैठक के दौरान मंच से कुछ कांग्रेसियों का नाम लिया गया और इसमें एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई। इस पर युवा कांग्रेसी भड़क गए और उन्होंने इसका विरोध किया।

इसी बात पर कांग्रेसी आपस में उलझ गए और नौबत हाथापाई तक पहुंच गई। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष को बीच–बचाव करना पड़ा। इसके बाद मंच पर भीड़ बढ़ने पर प्रदेश अध्यक्ष ने चुनिंदा लोगों को ही मंच पर आने के लिए कहा। इसमें इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष का नाम उन्होंने नहीं लिया। इस पर कार्यक्रम के बाद प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष के बीच भी इस मसले पर तीखी बहस हुई। हालांकि, कुछ देर बाद मामला शांत हो गया।

सहायक अध्यापकों की नई भर्ती का विज्ञापन जल्द जारी करने की मांग, सीएम को भेजा पत्र

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापकों की नई भर्ती का विज्ञापन जारी करने की मांग तेज हो गई है। डीएलएड (क.म्स.म्क.) प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रयागराज के माध्यम से भेजकर रिक्त पदों का अधियाचन तैयार कर जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। उत्तर प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापकों की नई भर्ती का विज्ञापन जल्द जारी किए जाने की मांग को लेकर डीएलएड प्रशिक्षित अभ्यर्थी और प्रतियोगी छात्र दिनेश यादव ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रयागराज के माध्यम से सौंपा है। उनका कहना है कि कई वर्षों से सहायक अध्यापकों की नई भर्ती का विज्ञापन जारी नहीं किया गया है, जिससे हजारों प्रशिक्षित युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया शुरू न होने के कारण डीएलएड प्रशिक्षित अभ्यर्थियों में निराशा बढ़ रही है।

आईआईटियन बाबा दुष्कर्म मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब, 25 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अभिषेक मिश्रा उर्फ आईआईटियन बाबा के दुष्कर्म मामले में सुनवाई हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में अभिषेक मिश्रा उर्फ आईआईटियन बाबा के दुष्कर्म मामले में सुनवाई हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है। आईआईटियन बाबा ने जमानत के लिए अर्जी दाखिल की है। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। मामले की सनवाई न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ कर रही है। मथुरा के गोवर्धन थाने में एक छात्रा ने 25 मई 2026 को ओडिशा के भुवनेश्वर व हाल राधाकुंड निवासी अभिषेक मिश्रा उर्फ आदिकर्ता नारायण उर्फ आईआईटियन बाबा के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि उसकी बहन मथुरा के एक संस्थान में इंटर्नशिप करती है। साथ ही आरोपी बाबा की भजन मंडली में भजन–कीर्तन करती थी।

वह अपने बहन से मिलने मथुरा गई थी। वहां बहन के कमरे में थी। इसी दौरान आरोपी बाबा आया और भगवान का प्रसाद बोलकर नशीला दूध पिला दिया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को दो जून को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था, जहां से उसे जेल भेज दिया था। जेल में बंद बाबा ने एडीजे/विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट के यहां जमानत के लिए अर्जी दाखिल की। हालांकि, ट्रायल कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज कर दी। इसके बाद आरोपी ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दायर की है।

सावन की पहली बारिश से तर बतर हुई संगमनगरी, कई इलाकों में भरा पानी

प्रयागराज। सावन की पहली झमाझम बारिश ने प्रयागराज को तरबतर कर दिया। रातभर हुई मूसलाधार बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। सड़कें और गलियां लबालब हो गईं, कई घरों में पानी घुस गया। वहीं बिजली कटौती ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। सावन की पहली झमाझम बारिश ने सोमवार को प्रयागराज का मौसम तो सुहाना कर दिया, लेकिन शहरवासियों की परेशानियां भी बढ़ा दीं। रातभर और सुबह तक रुक–रुक कर हुई तेज बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। मुख्य सड़कें, मोहल्लों की गलियां और निचले इलाके पानी से लबालब नजर आए। कई स्थानों पर लोगों के घरों में भी बारिश का पानी घुस गया, जिससे घरेलू सामान सुरक्षित रखने के लिए लोगों को मशक्कत करनी पड़ी।

बारिश का सबसे अधिक असर तेलियरगंज, शिवकुटी, सिविल लाइंस, अल्लापुर, दारागंज, जानसेनगंज, कटरा, सुलेमसराय, धूमनगंज, झूंसी, नैनी, फाफामऊ, राजापुर, जॉर्जटाउन, टैगोरटाउन, बालसन, राजरूपपुर, चौक, मुट्ठीगंज और कीडगंज समेत कई इलाकों में देखने को मिला। सड़कों पर पानी भरने से वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर दोपहिया वाहन पानी में बंद हो गए, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। बारिश के साथ बिजली व्यवस्था भी चरमरा गई। कई इलाकों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली कटौती के कारण लोगों को उमस और अंधेरे में समय बिताना पड़ा। सुबह कार्यालय और स्कूल जाने की तैयारी कर रहे लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। बिजली आने–जाने का सिलसिला दिन तक जारी रहा। हालांकि लगातार बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम सुहावना होने के कारण कई लोग बारिश का आनंद लेते भी दिखाई दिए। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे के दौरान भी प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है। ऐसे में निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी रह सकती है।

हत्या के मामले में पिता–बेटे को नहीं मिली राहत, सजा बरकरार

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दो नाबालिग बहनों की हत्या के मामले में दोषी पिता और बेटे को कोई राहत देने से इन्कार कर उनकी आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दो नाबालिग बहनों की हत्या के मामले में दोषी पिता और बेटे को कोई राहत देने से इन्कार कर उनकी आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने अमरोहा ट्रायल कोर्ट की ओर से वर्ष 2019 में सुनाए गए फैसले को सही ठहराते हुए राम प्रसाद और उसके बेटे चंद्रभान की आपराधिक अपील खारिज कर दी।

अभियोजन के अनुसार, वर्ष 2016 में 13 वर्षीय दयावती और 11 वर्षीय धर्मवती की मौत को आत्महत्या बताने का प्रयास किया गया था। परिवार ने दावा किया कि दोनों ने आम के बाग में दुपट्टे से फांसी लगाकर जान दे दी, लेकिन पुलिस को सूचना देने के बजाय उनके शव दफना दिए गए।

गांव के पूर्व प्रधान की शिकायत पर दर्ज एफआईआर के बाद जिला प्रशासन की अनुमति से शवों को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम कराया गया। जांच में स्पष्ट हुआ कि दोनों बच्चियों की मौत गला घोंटने से हुई थी। उनके शरीर पर कई चोटों के निशान थे। ट्रायल कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई।

हाईकोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि यदि वास्तव में आत्महत्या हुई होती तो परिवार पुलिस को तत्काल सूचना देता और कानूनी प्रक्रिया का पालन करता। इसके विपरीत, शवों को बिना सूचना दफनाना और साक्ष्य छिपाने का प्रयास अपराध को छिपाने की मंशा को दर्शाता है। अदालत ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 8 का हवाला देते हुए कहा कि आरोपियों का आचरण अत्यंत प्रासंगिक साक्ष्य है। न्यायालय ने माना कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की पूरी शृंखला केवल आरोपियों के अपराध की ओर संकेत करती है और ट्रायल कोर्ट का फैसला पूरी तरह कानूनसम्मत है, इसलिए दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा में हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं है।

सड़क हादसे में सेवानिवृत्त महिला सुपरवाइजर की मौत, जार्जटाउन क्षेत्र की रहने वाली थीं

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के सरपतीपुर गांव में हुए सड़क हादसे में बाल विकास पुष्टाहार विभाग की सेवानिवृत्त महिला सुपरवाइजर की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सरायइनायत थाना क्षेत्र के सरपतीपुर गांव में हुए सड़क हादसे में बाल विकास पुष्टाहार विभाग की सेवानिवृत्त महिला सुपरवाइजर की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी मित्रता दिवस के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

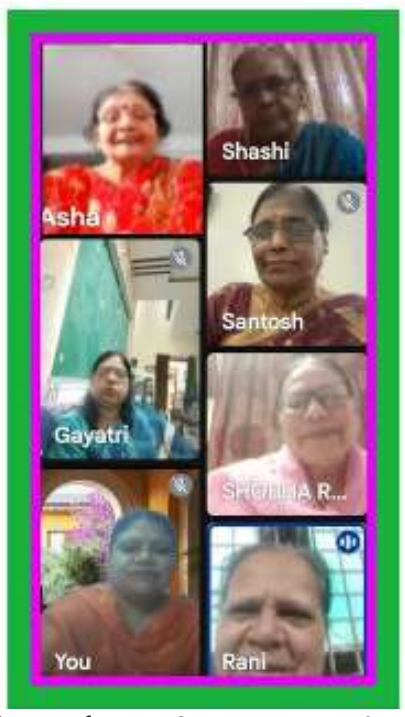

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई अगस्त माह की काव्य गोष्ठी आशा जाकड़ के संयोजन में काव्य गोष्ठीसफलतापूर्वक संपन्न। कार्यक्रम अध्यक्ष उमा.मिश्रा श्प्रीतिश की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ साधना शुक्ला काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना शशि निगम के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन शोभा रानी तिवारी ने किया। इस काव्य गोष्ठी में संतोष तोषनीवाल, शशि निगम, गायत्री शर्मा, रानी नारंग, शोभा रानी तिवारी आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन शोभा रानी तिवारी ने किया।

आलम बदी के निधन पर विधानसभा में शोक, सदन की कार्यवाही स्थगित

लखनऊ (संवाददाता)। विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को विधानसभा में सबसे पहले वरिष्ठ सपा विधायक आलमबदी के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ,अपना दल एस के नेता रामनिवास वर्मा,आरएलडी के राजपाल वालियांन, निषाद पार्टी के संजय निषाद,सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर,कांग्रेस की आराधना मिश्रा मोना,जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के विनोद सरोजसमेत सभी दलों के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा सदन की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। चार दिवसीय मानसून सत्र 6 अगस्त तक चलेगा। मंगलवार को प्रश्नकाल के बाद संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना वित्तीय वर्ष 2026–27 का अनुपूरक बजट पेश करेंगे। नौ अध्यादेशों और संभल दंगों की न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट भी सदन में पेश किए जाने की संभावना है।

किसी भी नौकरी को छोटा न समझें, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति अपनाएं–कपिल देव

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं को रोजगार, कौशल और आत्मनिर्भरता से जोड़ने के अभियान को नई गति देते हुए सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आईबीएम इंडिया सीएसआर के सहयोग से मेगा जॉब मेला–2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन एवं प्ठड के मध्य समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान हुआ। इस साझेदारी के माध्यम से प्रदेश के प्रशिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिजिटल स्किल्स, इंडस्ट्री–ओरिएंटेड प्रशिक्षण तथा रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा, जिससे लाखों युवाओं को आधुनिक तकनीकों के अनुरूप दक्ष बनाया जा सकेगा। कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि युवा शक्ति को रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ना योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज का युग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीकों का है। ऐसे में युवाओं को केवल डिग्री तक सीमित न रहकर नई तकनीकों, डिजिटल कौशल, प्रभावी संवाद क्षमता और आत्मविश्वास पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीक के साथ स्वयं को निरंतर अपडेट करने वाले युवा ही भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त करेंगे। किसी भी नौकरी को छोटा न समझें, पूरी लगन, अनुशासन और ईमानदारी से कार्य करें। जो व्यक्ति अपने कार्य से संस्थान की आवश्यकता बन जाता है, उसके लिए आगे बढ़ने के अवसर स्वयं बनते हैं। अग्रवाल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे निरंतर सीखने की प्रवृत्ति अपनाएं और कौशल प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाएं।

सावन मास भारतीय संस्कृति, आस्था एवं आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक– केशव

लखनऊ (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित की हैं।भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करते हुए कहा कि देवाधिदेव महादेव की असीम कृपा प्रदेशवासियों एवं देशवासियों पर बनी रहे तथा प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, वैभव और खुशहाली का निरंतर संचार हो। श्री मौर्य ने अपने दिन की शुरुआत ष्पार्वती पते हर–हर महादेवष् के पावन उद्घोष के साथ की तथा भगवान शिव का स्मरण करते हुए सभी के कल्याण की कामना की।उन्होंने कहा कि श्रावण मास भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, आस्था एवं आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। यह भगवान शिव की आराधना का सर्वाधिक पवित्र एवं पुण्यदायी काल माना जाता है। भगवान शिव करुणा, त्याग, धैर्य, समरसता, न्याय एवं लोककल्याण के प्रतीक हैं।

विधान परिषद में उठे सवालों पर उप मुख्यमंत्री ने की पीडब्ल्यूडी की समीक्षा बैठक

लखनऊ (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज विधान सभा स्थित कक्ष संख्या–101 में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। यह उच्चस्तरीय बैठक मुख्य रूप से विधान परिषद में लोक निर्माण विभाग से जुड़े विभिन्न मुद्दों और सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में बुलाई गई थी। बैठक में विभाग के कार्यों को गति देने और सदन में उठाए गए जनहित के मुद्दों पर जवाबदेही तय करने के लिए शासन और लोक निर्माण विभाग के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान सचिव प्रकाश बिन्दु तथा प्रमुख अभियन्ता अशोक कुमार द्विवेदी सहित अधिकारियों ने भाग लिया।

सावन का प्रथम सोमवार को भयहरण नाथ धाम में शिव भक्तों व कांवरियों का तांता

पुलिस व प्रशासन की उत्तम सुव्यवस्था

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में पवित्र सावन मास के प्रथम सोमवार को श्रद्धालु भक्तों व कांवरियों का तांता लगा रहा। पुलिस प्रशासन व कार्यकर्ताओं द्वारा की गई सुव्यवस्था की सर्वत्र सराहना हुई। ओम नमः शिवाय के नारों से पूरा धाम गुंजायमान रहा।

भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि रविवार को देर शाम तक प्रशासनिक कार्यालय स्थित मुख्य नियंत्रण कक्ष में सुव्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। वहीं थानाध्यक्ष ने भी भ्रमण करके सभी व्यवस्थाओं को चुस्त–दुरुस्त किया।

मेला प्रबन्धक समाज शेखर ने बताया कि सोमवार की सुबह 5 बजे से ही शिव भक्तों का रेला धाम की ओर चारों दिशाओं से उमड़ पड़ा। मुख्य मंदिर में पुजारी भोला नाथ तिवारी सहित सभी मंदिरों के पुजारी, सहायक पुजारी व अन्य सेवक तथा कार्यकर्ता स्वागत एवं सुव्यवस्था में लगे रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव, मार्गदर्शन में नायब तहसीलदार, कानूनगो व लेखपालों की टीम सक्रिय रही। क्षेत्राधिकारी सदर मनोज शैलेश अग्रहरि ने सभी व्यवस्था का भ्रमण कर सहयोग प्रदान किया। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र प्रशासनिक कार्यालय में

चौकी प्रभारी कटरा गुलाब सिंह राजीव वर्मा, मेला समिति के सचिव अनिल कुमार मिश्र ने सावन के प्रथम सोमवार को सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासनिक कार्यालय में मुख्य नियंत्रण कक्ष से मेला मजिस्ट्रेट रामानुज पांडेय के रघुवंशी ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण व कंट्रोल रूम का पर्यवेक्षण किया और सभी का उत्साह बढ़ाया।

प्रबन्ध समिति की ओर से सचिव संगठन राज किशोर मिश्र व सह कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य तथा नगर पंचायत से सभी का स्वागत और समन्वय कर सहयोग करते रहे।

धाम की अस्थाई पुलिस चौकी द्वारा सभी व्यवस्था में सतर्क निगाह रखते हुए प्रभारी इंस्पेक्टर सुशील कटियार के नेतृत्व में 24 घंटे चुस्त–दुरुस्त जिम्मेदारी निभाई जा रही है।

सोनई मॉडल इंटर कॉलेज के नए प्रधानाचार्य बने डॉ. अखिलेश यादव

सोनई (मथुरा)। माध्यमिक शिक्षा विभाग में पीईएस कैडर में पदोन्नति के बाद डॉ. अखिलेश यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, सोनई में प्रधानाचार्य पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

डॉ. अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता विद्यालय को शैक्षिक उत्कृष्टता, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और नवाचार का आदर्श केंद्र बनाना है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम, डिजिटल एवं कौशल आधारित शिक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर देने की बात कही।

समारोह में प्रधानाचार्य बृजेश कुमार, भवानी शंकर, जुगल किशोर, जनार्दन राजभर, बृजेश अग्निहोत्री, उमेश कुमार, योगेंद्र सिंह, दीप्ति वार्ष्णेय, पूनम सहित विद्यालय परिवार मौजूद रहा। वहीं श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज, महावन के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्रा एवं स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ला ने भी डॉ. यादव को शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि डॉ. अखिलेश यादव जनपद मथुरा में स्काउट कमिश्नर, बलदेव ब्लॉक के नोडल अधिकारी तथा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के ब्लॉक प्रभारी के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं।

सुरियावां को तहसील बनाने की मांग फिर हुई तेज, संघर्ष समिति की बैठक में ग्रामीणों ने भरी हुंकार

सुरियावां (भदोही)। नगर स्थित जोधराज सिंह तालाब परिसर में रविवार दोपहर "तहसील निर्माण संघर्ष समिति" की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण, व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में सुरियावां को तहसील का दर्जा दिए जाने की मांग दोहराते हुए आंदोलन को और तेज करने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि अभोली और सुरियावां विकास खंडों की संयुक्त आबादी लगभग तीन लाख है, लेकिन इतने बड़े क्षेत्र के लोगों को आज भी राजस्व संबंधी कार्यों के लिए करीब 30 किलोमीटर दूर भदोही तहसील जाना पड़ता है। तहसील तक आने–जाने में पूरा दिन व्यतीत हो जाता है, जिससे आम लोगों को समय और आर्थिक दोनों तरह की परेशानी उठानी पड़ती है। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सुरियावां को तहसील बनाए जाने की मांग वर्ष 2001 से लगातार उठाई जा रही है। इस दौरान कई सरकारें आईं और चली गईं। विभिन्न जनप्रतिनिधियों और नेताओं ने समय–समय पर आश्वासन भी दिए, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि केवल आश्वासनों से क्षेत्र का विकास संभव नहीं है, अब सरकार को इस मांग पर गंभीरता से निर्णय लेना चाहिए। बैठक में वक्ताओं ने विशेष रूप से बताया कि अभोली ब्लॉक के प्रयागराज सीमा से सटे कुढ़वा, रामनगर, दुर्गागंज तथा सुरियावां ब्लॉक के हरिपुर, अभिया, चौगुना, कुशा समेत अनेक गांव भदोही तहसील मुख्यालय से काफी दूर स्थित हैं। इन गांवों के लोगों को जाति, आय, निवास, भूमि विवाद, दाखिल–खारिज और अन्य राजस्व संबंधी कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे किसानों, मजदूरों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना था कि यदि सुरियावां को तहसील का दर्जा मिल जाता है तो न केवल लगभग तीन लाख लोगों को सीधा लाभ मिलेगा, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था भी मजबूत होगी। क्षेत्र में सरकारी कार्यालय स्थापित होने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों में तेजी आएगी। बैठक के अंत में संघर्ष समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सुरियावां को तहसील बनाने की मांग को लेकर जनजागरण अभियान चलाया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष दिनेश यादव उर्फ दादा और संचालन संरक्षक अशोक सिंह ने किया। बैठक में संगठन के संरक्षक भदोही तहसील उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष शेषधर गुप्ता, जटाशंकर मौर्य, संजय श्रीवास्तव, वशिष्ठ नारायण दुबे, लोकेश वर्मा, बऊ उपाध्याय, जतन गुप्ता ,आशीष मौर्या,शिवप्रसाद उपाध्याय,आशीष राय,रीना श्रीवास्तव,रेशमा बानो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

आया सावन झूमकर

(कुण्डलिया)

सावन की शिव–बतकही, मेघों का संगीत।
धरती को शिवमय करे, अंतस भाव पुनीत।
अंतस भाव पुनीत, प्रकृति से बात कराते।
हरियाली के संग, जाप का अर्थ बताते।
सुन लो कहें प्रदीप,सभी कुछ लगता पावन।
रिमझिम के ही साथ,बरसता है जब सावन।।

आया सावन झूमकर,वृक्षों में उत्साह।
माटी को खुशबू मिली,नदियाँ पाती राह।
नदियाँ पाती राह, मिलन सागर से होगा।
पर्वत हैं खुशहाल, कहें जग के सब जोगा।
सुन लो कहें प्रदीप,बादलों को भी भाया।
त्योहारों के साथ, धरा पर सावन आया।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भाजपा चौक मंडल की विशेष संगठनात्मक बैठक संपन्न

प्रयागराज। भाजपा चौक मंडल की आगामी मासिक कार्यक्रमों को लेकर एक विशेष संगठनात्मक बैठक मंडल कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान शिवानी केसरवानी ने भाजपा की सदस्यता

ग्रहण की। उन्हें पार्टी में शामिल होने पर सभी पदाधिकारियों ने बधाई दी और भाजपा का अंगवस्त पहनाकर स्वागत किया।

बैठक में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में सुमित वैश्य मंडल अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष मयंक अग्रवाल मंडल उपाध्यक्ष अमित गुप्ता मंडल संयोजक, युवा मोर्चा मुन्ना केसरवानी आशीष केसरवानी विपिन चोपड़ा शाश्वत मिश्रा पायल गुप्ता, राज कुमार केसरवानी, कृष्ण कुमार गुप्ता अनिल शर्मा मो. जिशान आदि लोगों ने बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया उपरोक्त जानकारी अरविन्द पांडेय मीडिया प्रभारी ने दी।

सपा और कांग्रेस सदस्यों का विधानभवन में प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। मानसून सत्र के पहले दिन ही विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। आज सुबह ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के विधायकों ने विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। विपक्षी विधायक दानपेटी और पोस्टर लेकर पहुंचे, जिनमें राम मंदिर चढ़ावा मामले और नीट पेपर लीक को लेकर सरकार पर सवाल उठाए गए। विपक्षी चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने बैठ गए। विपक्षी सदस्यों ने सरकार विरोधी नारेबाजी की। सदस्यों का कहना था कि यह सरकार हर मोर्चे पर नाकाम है। हर वर्ग के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है ।छात्रों नौजवानों का के हक मारा जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना

उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने फ़ीडिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 10.08.2026 को या उसके बाद चालू (energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।

ऊर्जाकरण की तिथि: 10.08.2026

खंड	किमी/लोकेशन/चैनेज से	किमी/लोकेशन/चैनेज तक
उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली - हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के सिलसिले में किमी 861/24 (CH:861/898.84) - 861/28 (CH:861/823.84) पर नए 2x25 केवी भरवारी/ एसएसपी को चालू करना ।	भरवारी/एसएसपी 861/24 (CH:861/898.84)	भरवारी/एसएसपी 861/28 (CH:861/823.84)

1779/26(AK)

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 6020262027 दिनांक: 31.07.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये, निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित ई-निविदा, दिनांक 27.08.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: 132	कार्य का अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 5,07,99,484.31
कार्य का विवरण: वरिष्ठ मंडल अभियंता/द्वितीय/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में प्रयागराज-कानपुर खंड में विभिन्न लूप लाइनों तथा अन्य लाइनों की रेलों की फ्लैश बट वेल्डिंग का कार्य।	
बयाने की रकम (रू.): ₹ 10,16,000.00	कार्य समापन की अवधि: 12 माह
निविदा खुलने की तिथि : 27.08.2026	

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: कोई भी पी-वे का कार्य जिसमे मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ वेल्ड नवीनीकरण कार्य सम्मिलित हो। नोट:- (1) ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 27.08.2026 तक उपलब्ध है। (3) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act. 2000 के अंतर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करावें। (4) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/ लेटरहेड पर यदि संलग्न हैं, तो उन पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (5) निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (6) माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (7) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (8) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। (9) बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। (10) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (11) आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 27.08.2026 को समय 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (12) निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1769/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना

उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने फ़ीडिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 10.08.2026 को या उसके बाद चालू (energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।

ऊर्जाकरण की तिथि: 10.08.2026

खंड	किमी/लोकेशन/चैनेज से	किमी/लोकेशन/चैनेज तक
उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के सिलसिले में किमी 797/14 (CH:797/574.53)-797/18 (CH:797/499.53) पर नए 2x25 केवी भीरपुर/एसएसपी को चालू करना।	भीरपुर/एसएसपी 797/14 (CH:797/574.53)	भीरपुर/एसएसपी 797/18 (CH:797/499.53)

1775/26 (PH)

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

भारतीय रेल

सार्वजनिक अधिसूचना

उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने फ़ीडिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 10.08.2026 को या उसके बाद चालू (energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।

ऊर्जाकरण की तिथि : 10.08.2026

क्र. सं.	खंड	किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज से	किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज तक
1	उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के सिलसिले में किमी 870/14A (CH:870/564) 870/18 (CH:870/489) पर नए 2 x 25 केवी शुजातपुर/ एसएसपी को चालू करना।	शुजातपुर/ एसएसपी 870/14A (CH:870 /564)	शुजातपुर/ एसएसपी 870/18 (CH:870 /489)

1777/26(A)

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

जेन जी को नहीं चाहिए माफी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बारह साल पहले जब सत्ता संभाली थी तो नेहरू जी की नकल करते हुए खुद को प्रधानमंत्री की जगह प्रधानसेवक बताया था। लेकिन उनका व्यवहार किसी राजा की तरह ही बना रहा, जो इस देश के नागरिकों को प्रजा की तरह देखता है। इसलिए उन्होंने कहा है कि मैं गुमराह बच्चों को माफ करता हूं। आप जानते हैं कि नरेन्द्र मोदी इन दिनों संसद की जगह इंस्टाग्राम पर ज्यादा नजर आ रहे हैं। उनकी जो नयी रील आई है, उसमें उन्होंने फिर से खुद को पीड़ित की तरह पेश करते हुए देश की नयी पीढ़ी को माफ करने का संदेश दिया है। माफी का यह फरमान मोदी के लिए अब बड़ी फांस बन गया है। और तमाम लोग इस पर उनके पुराने वीडियो निकाल कर बैठे हैं, जिसमें वो खुद अपशब्द कह रहे हैं या उन लोगों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर फॉलो कर रहे हैं, जिन्होंने गालियों की राजनीति की। प्रधानमंत्री के इस माफ करने के फरमान पर अब सैकड़ों रील्स और मीम्स इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हैं। अगर भाजपा को लगता है कि वो दमनकारी हथकंडे यानी पुलिस का डर दिखाकर, अदालतों के चक्कर लगवाकर इन युवाओं को डराएगी, तो वो खुद को ही अंधेरे में रख रही है। मोदी ने तो कह दिया है कि हम नयी पीढ़ी को अदालतों के चक्कर नहीं लगवाना चाहते, उन्हें सही राह पर लाना चाहते हैं, तो इसका भी जवाब अब जेन जी दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी ताजा रील में कल्चरल शॉक यानी सांस्कृतिक तौर पर लगने वाले झटके की बात भी कही कि लड़कियां गाली दे रही हैं। इस एक वाक्य ने उनके मन में बैठे भेदभाव को सामने ला दिया। लड़के गाली दें तो उन्हें झटका नहीं लगता, लड़कियों की भाषा पर आपत्ति है। और सबसे पहली बात तो यही है कि मुद्दा गाली होना चाहिए या पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में हुए खिलवाड़ का होना चाहिए। जंतर–मंतर पर आंदोलन क्यों खड़ा हुआ, लाखों लोग क्यों चंद दिनों में एक ही मकसद के लिए जुट गए, किसलिए निहत्थी जनता ने बिना संसाधनों के सरकार के सामने प्रतिरोध करना शुरु किया, क्यों पुलिस के अत्याचार को हंसते–मुस्कुराते सह लिया, लेकिन अपने मकसद से पीछे लोग पीछे नहीं हटे, जिन युवाओं और बच्चों को अब तक गैरजिम्मेदार और अपने ही मोबाइल में गुम मानकर पिछली पीढ़ी के लोग डांटते–फटकारते रहते थे, उन लोगों ने कैसे देश को आंदोलन करने की एकदम नयी राह दिखा दी, इन सारे सवालों को गालियों के मुद्दे से दबाने की कोशिश मोदी सरकार कर रही है। पिछले दस दिनों में प्रधानमंत्री मोदी ने चार–चार रील्स बनाकर खुद को जेन–जी से जोड़ने की कोशिश की। पहली रील 23 जुलाई को रात बारह बजने में आठ मिनट कम पर यानी 11.52 पर आई। मोदी इतना तो जानते हैं कि आज के बच्चे सोने या जागने के लिए दिन–रात के मोहताज नहीं हैं। जब इनका मन करता है सोते हैं, जब मन करता है रात भर जाग कर काम करते हैं। खैर मोदी ने हैलो फ्रैंड्स कहकर नीट पेपर लीक पर सरकार ने क्या–क्या किया, यह सब बताया। लेकिन इस रील में अपने कैमरा एंगल पर मोदी खूब फंसे। फिर दूसरी रील उन्होंने 24 जुलाई की रात को बनाई, इस बार पहली रील पर मिले भारी रिस्पॉन्स और सुझावों के लिए युवाओं का आभार जताया था। जबकि हकीकत ये है कि 23 तारीख वाली रील पर उनका मजाक ज्यादा बना था। खैर 26 जुलाई को एक और रील मोदी की आई, उन्होंने बताया कि नंदन नीलेकणि अब परीक्षा सुधार का काम करेंगे, सब कुछ हाईटेक होगा। लेकिन पिछली दोनों रील्स की तरह इस बार भी जेन–जी ने उनसे जुड़ने से इंकार किया। तो फिर मोदी की चौथी रील शुक्रवार रात को आ गई, जिसमें उन्होंने अपने लिए कहे अपशब्दों पर बात की और साथ ही मैं माफ करता हूं, जैसा राजशाही फरमान सुनाया। इस रील पर राहुल गांधी ने भी लिखा कि अपने बच्चों को खोने वाले माता–पिता के आंसू, उनका बिलखना– इससे बड़ा कोई दुरूख नहीं होता... उसके बाद भी प्रधानमंत्री की ये हिम्मत है कि वो छात्रों को श्माफच्य करने की बात करते हैं। क्या वो एक भी शोकाकुल परिवार से मिले जिन्होंने अपने बच्चे को खोया है या उन लोगों से जिनकी जमा पूंजी, जिंदगी, वक्त और सपने सब पेपर लीक से छीन लिए गए? जवाब है नहीं! भारत के छात्रों को प्रधानमंत्री की क्षमा की जरूरत नहीं– मोदी जी को उनसे माफी मांगनी चाहिए। लेकिन माफी मांगना तो दूर, मोदी ने उन परिवारों के लिए संवेदना के दो शब्द भी नहीं कहे, जिनके बच्चों की जिंदगी पेपर लीक के कारण तबाह हो गई। बल्कि वे अब भी अपने मनोरंजन में लगे हैं। शनिवार को आंध्रप्रदेश के दौरे पर प्रधानमंत्री थे, जहां उनका ऐसा स्वागत हुआ मानो उनकी ताजपोशी हुई हो। राजाओं के दौर में जिस तरह स्वागत के लिए लड़कियों और महिलाओं से डांस करवाया जाता था, वैसे ही 13 हजार लड़कियों का डांस मोदी के सामने करवाया गया।

युवाओं की मेहनत, पारदर्शिता और विश्वास की सुरक्षा का सशक्त कानूनी आधार

नायब सिंह सैनी

सभी प्रिय युवा साथियो! जब कोई प्रश्नपत्र लीक होता है, फर्जी अभ्यर्थी परीक्षा में बैठते हैं, साइबर माध्यमों से परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित की जाती है या संगठित गिरोह पूरी व्यवस्था से छेड़–छाड़ करते हैं, तब नुकसान केवल एक परीक्षा का नहीं होता, बल्कि युवाओं के विश्वास, प्रशासनिक व्यवस्था की साख और समान अवसर की भावना को भी गहरी चोट पहुंचती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वर्ष 2024 में पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवैंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अधिनियम, 2024 लागू किया। यह देश का पहला समर्पित कानून है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं की पवित्रता की रक्षा करना तथा परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। यह अधिनियम उन सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होता है, जिनके माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न सेवाओं, संस्थानों और उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए चयन किया जाता है। इनमें संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.), कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.), राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.), रेलवे भर्ती बोर्ड (आर.आर.बी.) बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आई.बी.पी.एस.) तथा केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य परीक्षा संस्थान शामिल हैं। इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि पहली बार परीक्षा अपराधों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया। अब प्रश्नपत्र लीक करना, प्रश्नपत्र या उत्तर कुंजी उपलब्ध कराना, फर्जी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाना, कम्प्यूटर नैटवर्क या डिजिटल प्रणाली से छेड़छाड़ करना, इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से नकल कराना, गोपनीय जानकारी का दुरुपयोग करना तथा आर्थिक लाभ के उद्देश्य से परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करना स्पष्ट रूप से दंडनीय अपराध हैं। परीक्षा अपराधों पर व्यापक नियंत्रण की दिशा में 2026 के संशोधन किसी भी प्रभावी कानून की वास्तविक शक्ति केवल उसके निर्माण में नहीं, बल्कि समय के साथ बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को सशक्त बनाने में निहित होती है। वर्ष 2024 में अधिनियम लागू होने के बाद यह अनुभव किया गया कि परीक्षा अपराधों का स्वरूप लगातार अधिक तकनीक–आधारित, संगठित और अंतर्राज्यीय होता जा रहा है। प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोह अब डिजिटल प्लेटफॉर्म, एन्क्रिप्टेड संचार माध्यमों, साइबर नैटवर्क और वित्तीय लेन–देन के आधुनिक तरीकों का उपयोग करने लगे थे। ऐसे में यह आवश्यक था कि कानून भी इन नई चुनौतियों के अनुरूप और अधिक सक्षम बनाया जाए। इसी उद्देश्य से वर्ष 2026 में अधिनियम में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। इन संशोधनों का मूल उद्देश्य मात्र दंड बढ़ाना नहीं, बल्कि जांच, अभियोजन और न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना था, ताकि संगठित परीक्षा अपराधों पर समयबद्ध और निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। संशोधित प्रावधानों के अंतर्गत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यकता के अनुसार विशेष जांच दल (स्पैशल टास्क फोर्स) गठित करने का अधिकार प्रदान किया गया। इससे ऐसे संगठित नैटवर्कों के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई का मार्ग प्रशस्त हुआ, जो विभिन्न राज्यों में सक्रिय रहकर परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। परीक्षा अपराधों की बदलती प्रकृति को देखते हुए यह प्रावधान अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि अब अधिकांश मामलों का दायरा एक राज्य तक सीमित नहीं रहता। संशोधनों में डिजिटल एवं इलैक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के वैज्ञानिक विश्लेषण पर विशेष बल दिया गया। साइबर फॉरैंसिक, डेटा विश्लेषण, इलैक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और डिजिटल संचार से जुड़े प्रमाणों के प्रभावी उपयोग से जांच एजैंसियों की क्षमता को और मजबूत बनाने का प्रयास किया गया। साथ ही विभिन्न राज्यों और केंद्रीय एजैंसियों के बीच सूचना के त्वरित आदान–प्रदान की व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया, जिससे अपराधियों तक शीघ्र पहुंच संभव हो सके। न्यायिक प्रक्रिया को गति देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की गई। परीक्षा अपराधों से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए विशेष व्यवस्था पर बल दिया गया, ताकि वर्षों तक मुकद्दमे लंबित रहने की स्थिति समाप्त हो और दोषियों को समयबद्ध न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से दंड मिल सके। त्वरित न्याय न केवल कानून की प्रभावशीलता बढ़ाता है, बल्कि समाज में यह संदेश भी देता है कि परीक्षा प्रणाली के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ को गंभीर अपराध माना जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला वर्ग नहीं, बल्कि भारत के विकास का सबसे बड़ा भागीदार माना गया है। इसी दृष्टि से शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखकर अनेक नीतिगत निर्णय लिए गए। नई शिक्षा नीति–2020 ने शिक्षा को अधिक व्यावहारिक और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने का मार्ग प्रशस्त किया, जबकि कौशल भारत मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, अटल इनोवेशन मिशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और डिजिटल इंडिया, विद्या लक्ष्मी जैसी पहलों ने युवाओं के लिए सीखने, नवाचार करने और स्वरोजगार के नए अवसर तैयार किए। आज देश का युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने, नवाचार को आगे बढ़ाने और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यही युवा–केंद्रित दृष्टिकोण भारत की विकास यात्रा को नई गति दे रहा है और अमृतकाल के संकल्पों को साकार करने का मजबूत आधार बन रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक परीक्षाओं की सुरक्षा के लिए सशक्त कानूनी व्यवस्था लागू होने के साथ–साथ हरियाणा ने भी भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और मैरिट को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की दिशा में अनेक सुधार किए हैं। राज्य सरकार का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि सरकारी सेवा का अवसर केवल प्रतिभा, योग्यता और परिश्रम के आधार पर मिलना चाहिए। इसी सोच के अनुरूप भर्ती प्रक्रियाओं में तकनीक का व्यापक उपयोग, डिजिटल प्रणाली, समयबद्ध चयन प्रक्रिया और पारदर्शी व्यवस्थाओं को निरंतर मजबूत किया गया है। भर्ती प्रक्रिया में अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप को कम करने, निष्पक्षता बढ़ाने तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रशासनिक सुधार लागू किए गए हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल नियुक्तियां करना नहीं, बल्कि युवाओं में यह विश्वास स्थापित करना है कि उनकी मेहनत का सम्मान होगा और चयन प्रक्रिया निष्पक्ष रहेगी। आज प्रदेश में 'बिना खर्ची–बिना पर्ची' के सिद्धांत पर पूरी पारदर्शिता और मैरिट के आधार पर 1.80 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। कॉमन पात्रता परीक्षा (सी.ई.टी.) के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया को सरल, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाया गया। जब प्रत्येक अभ्यर्थी यह विश्वास लेकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश करेगा कि उसकी सफलता का निर्णय केवल उसकी योग्यता, क्षमता और परिश्रम करेगा, तभी वास्तविक अर्थों में समान अवसर वाली व्यवस्था स्थापित होगी। यही विश्वास सक्षम और पारदर्शी शासन की पहचान है, यही विकसित हरियाणा की शक्ति है और यही विकसित भारत की मजबूत नींव भी। ऐसी निष्पक्ष और विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था न केवल युवाओं के सपनों की रक्षा करेगी, बल्कि आने वाले भारत को अधिक सक्षम, अधिक प्रतिस्पर्धी और अधिक न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सावन में काशी: जहां बादल भी 'हर-हर महादेव' कहते बरसते हैं

विशेष– सावन का पहला बादल जैसे ही काशी के आसमान पर ठहरता है, शहर का मिजाज बदल जाता है। यह वही बनारस है जो बाकी दिनों में ठाठ से चलता है, पान चबाता है, गप्पें मारता है और समय को भी अपनी चाल चलने देता है। लेकिन सावन आते ही वही बनारस एक साथ साधु भी बन जाता है और उत्सव भी। सुबह का सूरज अभी पूरी तरह निकला भी नहीं होता कि गंगा के घाटों पर भीगी हवा में ष्हर–हर महादेवष् गूंजने लगता है। गंगा के जल में उतरते श्रद्धालु, सिर पर गंगाजल लिए कांवड़िए, मंदिरों की घंटियाँ और धूप–अगरबत्ती की सुगंधकृयह सब मिलकर ऐसा दृश्य रचते हैं, जिसे कैमरे से कैद किया जा सकता है, लेकिन महसूस केवल हृदय से किया जा सकता है। सावन में काशी की गलियाँ मानो अपने पुराने दिनों में लौट आती हैं। कहीं कजरी की धुन है, कहीं शिवभक्तों का भजन, कहीं चाय की दुकान पर धर्म और राजनीति की बहस, तो कहीं बारिश से बचते हुए विदेशी पर्यटक इस शहर को समझने की असफल कोशिश करते दिखाई देते हैं। बनारस उन्हें मुस्कुराकर देखता है, क्योंकि काशी को समझना किताबों से नहीं, उसके धैर्य से सीखा जाता है। बाबा विश्वनाथ के दरबार तक जाने वाली गलियों में इस समय केवल भीड़ नहीं होती, उम्मीद भी होती है। कोई संतान की कामना लेकर आया है, कोई बीमारी से मुक्ति की प्रार्थना लेकर और कोई सिर्फ़ इस विश्वास के साथ कि एक बार बाबा के दरबार में माथा टेक लिया, तो जीवन की थकान कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन काशी की यही खूबसूरती उसकी सबसे बड़ी परीक्षा भी बन जाती है। लाखों कदम जब एक साथ एक ही दिशा में बढ़ते हैं तो गलियाँ छोटी पड़ जाती हैं। सड़कें जाम से भर जाती हैं। प्रशासन व्यवस्था बनाने में जुटा रहता है और बनारस अपनी पुरानी आदत के अनुसार हर अव्यवस्था पर भी मुस्कुराता रहता है। यहाँ लोग शिकायत कम और ष्बाबा की मर्जीष् अधिक कहते हैं।

सावन का बनारस केवल श्रद्धा नहीं, रोज़गार भी है। फूल बेचने वाली वृद्धा की मुस्कान, नाविक की तेज़ होती पतवार, चायवाले की बढ़ती बिक्री, प्रसाद की दुकानों की रौनक और बनारसी साड़ी की दुकानों पर बढ़ती चहल–पहल बताती है कि आस्था केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहती, वह बाज़ार को भी जीवन देती है। फिर भी एक सवाल हर सावन के साथ लौट आता हैकृक्या हम काशी को केवल सजाने में लगे हैं या उसे बचाने में भी? चौड़े गलियारे बन सकते हैं, नए भवन खड़े हो सकते हैं, लेकिन सदियों पुरानी आत्मा किसी नक्शे पर नहीं बनती। वह गलियों की हँसी, घाटों की नमी, कजरी की तान और गंगा के किनारे बैठकर चुप रहने की कला में बसती है। शायद इसी कारण सावन में काशी दुनिया के किसी भी आधुनिक शहर से अलग दिखाई देती है। यहाँ बारिश केवल मौसम नहीं होती, वह स्मृति होती है। यहाँ गंगा केवल नदी नहीं, माँ होती है। यहाँ शिव केवल मंदिर में स्थापित देवता नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के विश्वास में बसते हैं जो जीवन के शोर से थककर इस नगरी में कुछ क्षण की शांति खोजने आता है। और जब शाम ढलती है, गंगा आरती के दीप हवा में डोलते हैं, बादलों के बीच से छनकर आती रोशनी जल में उतरती है और पूरा आकाश ष्हर–हर महादेवष् के स्वर से भर उठता है, तब समझ में आता है कि सावन काशी में आता नहींकृवह काशी में जीता है।

यही काशी है–जो हर वर्ष सावन के बहाने हमें याद दिलाती है कि सभ्यता केवल इमारतों से नहीं, आस्था, स्मृति और संस्कृति से जीवित रहती है।

राजेश कुमार ओझा, वाराणसी

बरखा बहार,सावन और कजरी एक दूसरे के पर्याय: अशोक

गांव की चौपालों में कजरी गीतों का रागरंग सहेजें लोक कलाकार

कभी तीन दशक पहले सावन और बरखा बहार में गांव–गांव की चौपालों और खेत सिवानों से उठने वाली कजरी की गूंज और बागों में पड़ने वाले झूलों का वह आलम अब धीरे–धीरे सिमटता जा रहा है। हमारी लोक संस्कृति और सामाजिक परंपरा के ताने–बाने से बुने कजरी गीतों की विविधता का वह लोकरंग आम आदमी के जीवन की आपाधापी में कहीं गुम सा हो रहा है। कजरी का वह लोक स्वरुप जहां एक ओर समुद्र रूपी जल कलश को कटि पर धारण कर इतराती बलखाती ,कारे कजरारे बादल रूपी केशगुच्छ फहराती प्रकृति रूपी अद्भुत सुंदरी के आकाश मण्डल में नृत्य करने और बूंद बूंद जल गिरने से संतृप्त होती धरती के आलोक से परिकल्पित हुआ वहीं स्त्री बिरह की अवधारणाओं को लेकर कजरी गीतों के विवध राग–रंग हमारी गीत परम्परा के भी संवाहक बने। ....हमइ ना सवनवा सोहाय हो, पिया परदेशवा में छाये.....पिया मेंहदी लियायदा मोती झील से,जाइके साईकील से ना....अबकी सावन में नइहरे ना जाय देबै,झुलुआ झुलाय देबै ना..... रुनझुन खोला हो केवड़िया,हम बीदेसवा जाबइ ना....और मिर्जापुर कइला गुलजार हो, कचौड़ी गली सून कइला बलमू,जैसे कई कजरी गीत इस मौसम में काफी प्रचलित हुए। कजरी गीतों का जनक उत्तर प्रदेश का मिर्जापुर जनपद है और यहां के कजरी मेलों में प्रतिवर्ष जुटने वाले कलाकार भी कई वर्षों से अपनी इस परम्परा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं।

मिर्जापुरी, बनारसी चौलर, चौलरिया, ढुनमुनिया, बेंगा,घसिया, बलियाउटी, इलाहाबादी, रीवानी, लगवही, कटनी,एकलवरा, झुलनाही,शायरी, दुइकड़िया,पछुवाही, तिनपतिया समेत विभिन्न प्रकार की धुन,लय सृजित कजरी गीतों के सर्वाधिक रूप प्रचलित रहे। इन्हीं कजरी गीतों में हमारे समाज में प्रचलित रजऊ,बलमुआ,कोठरी,कोठा, अंटारी, तेल बुकनी, पिया करेजऊ, घूंघट, पनघट,पोखरी ताल, सासुर, नइहर, बदरा, बिजुरी, सेजिया, पिरितिया, कीचकांदौ, भउजी, देवर,घूंघुर कजरा,सेनुरा,दिलजनिया, कथरी,गगरी जैसे अनेकों देशज और गहबर शब्दरंग,हमारी परिपाटी,संस्कृति– संस्कार,आचार सोच,विचार,सामाजिक सम्बन्ध, परिहास,उल्लास, अनुहार और मनुहार के प्रतीक बनकर हमारी गीत परम्परा से समाज को तार–तार जोड़ते रहे। कहीं..पटरा बंद करा हो बनवारी,हम घरे मारी जाबइ ना या फिर लागल सावन कै महीनवा,आवा चली बाबा नगरिया ना,जैसे कजरी गीतों में देवी देवताओं से जुड़कर तो कहीं –पूरबू के देशवा से उड़लि बादरिया,बरसै लागी ना,मोरे अंगना अंटरिया बरसै लागी ना।और कइसे खेलइ जइबू सावन मा कजरिया,बदरिया घेरि आईं ननदी... जैसे कजरी गीतों में हम अपने घर आंगन,खेत सिवानों से जुड़कर अपनी गीत परम्परा को जीते रहे हैं। हालांकि आज भी आकाशवाणी,दूरदर्शन सांस्कृतिक मंचों पर अपनी गीत विरासत को संजोए रखने हेतु बिबिध माध्यमों और मीडिया द्वारा भी प्रयास किए जा रहे हैं।कई लोक कलाकारों ने भी प्रस्तुतियों द्वारा इसकी अलख जगाई है। किंतु जरूरत है कि रील से आगे बढ़कर रीयल में भी हम गा,बजा कर,बरखा बहार,सावन और कजरी जैसे मौसमी गीतों के अतीत की उस परम्परा को घर घर,गांव–गांव,शहर, नगर तक सहेजे रखें।

'नार्को टूरिज्म' (नशे) के बढ़ते कदम और बर्बाद होती युवा शक्ति

राजेंद्र मोहन शर्मा

मादक पदार्थों की तस्करी तथा उनका बढ़ता हुआ इस्तेमाल वर्तमान समय में पूरे विश्व के लिए एक गंभीर और उभरती हुई समस्या बन चुका है। भारत की बात करें तो लगभग 10 करोड़ युवा किसी न किसी रूप से नशे की समस्या से प्रभावित हो चुके हैं तथा यह आंकड़ा दिन–प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। नार्को आतंकवाद भी नार्को टूरिज्म के माध्यम से अपने पैर पसारता हुआ दिखाई दे रहा है। भांग, चरस और अफीम का परिवर्तित रूप, जिसे हैरोइन तथा स्थानीय भाषा में 'चिट्टा' कहा जाता है, का इस्तेमाल युवाओं में तेजी से बढ़ रहा है। चिट्टे की थोड़ी–सी मात्रा भी उपभोक्ता को अत्यधिक नशा प्रदान करती है तथा इसकी लत व्यक्ति में सम्मोहन जैसी मानसिक निर्भरता उत्पन्न कर देती है। युवा वर्ग तेजी से इसका शिकार होता जा रहा है। एक व्यक्ति को देखकर दूसरा भी इसका अनुसरण करता है और यह एक शृंखला का रूप धारण करती जा रही है। पर्यटक स्थलों, जैसे हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड तथा गोवा जैसे शांतिप्रिय राज्यों में नार्को टूरिज्म का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में अनेक विदेशी पर्यटकों ने धर्मशाला, मनाली, कसोल और मणिकर्ण जैसे दुर्गम क्षेत्रों को अपना प्रमुख ठिकाना बना रखा है। यह सत्य है कि पर्यटन राज्य की आय का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है, किन्तु इस प्रकार का पर्यटन स्थानीय संस्कृति और सामाजिक वातावरण को प्रभावित करते हुए अशांति का माहौल भी उत्पन्न करता है। ऐसे स्थानों पर देर रात तक रेव पाष्टयों का आयोजन किया जाता है, जिनमें नग्नता, अश्लील नृत्य तथा शोर–शराबे का संगीत इस्तेमाल होता है। नशे की हालत में अनेक पर्यटक ऐसे सार्वजनिक स्थानों पर अचेत अवस्था में भी पड़े दिखाई देते हैं। कुछ विदेशी पर्यटक, विशेषकर इसराईल तथा इटली जैसे देशों से आने वाले लोग स्थानीय युवतियों को अपने प्रभाव में लेकर उनका शोषण करते हुए भी देखे जाते हैं। कई लोग तो जंगलों तथा एकांत स्थानों पर कई–कई दिनों तक टैंट लगाकर अथवा होम–स्टे में रहकर देर रात तक हुड़दंग करते रहते हैं। प्रशासन और पुलिस की मिलीभगत के कारण कई बार नियमों की अनदेखी होती है। स्वाभाविक है कि कहीं–न–कहीं राजनीतिक संरक्षण के बिना यह सब संभव नहीं हो सकता। हाल ही में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने स्वतरू संज्ञान लेते हुए कुल्लू जिले में प्रशासनिक अधिकारियों तथा पुलिस अधीक्षक के तबादले के आदेश भी पारित किए थे। पर्यटक स्थलों तथा अन्य स्थानों पर बढ़ते हुए नशे को रोकने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जाते हैं– संवेदनशील पर्यटक स्थलों पर ईमानदार एवं कर्त्तव्यनिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति की जानी चाहिए तथा उन्हें अपने कार्यों के प्रति उत्तरदायी बनाया जाए।

रेव पार्टियों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए तथा रात्रि 10 बजे के बाद बिना अनुमति के किसी भी प्रकार के आयोजन पर रोक लगाई जाए।

सुरक्षा एजैंसियों एवं पुलिस को अधिक सशक्त बनाया जाए। पुलिस बल की संख्या बढ़ाई जाए तथा उन्हें पर्याप्त संसाधन और आधुनिक उपकरण उपलब्ध करवाए जाएं। विदेशी नागरिकों का केवल पंजीकरण करना ही पर्याप्त नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके प्रवास के दौरान उन पर आवश्यक निगरानी भी रखी जानी चाहिए। केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच एक समन्वित नीति होनी चाहिए तथा नारकोटिक्स ब्यूरो और राज्य पुलिस के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया जाना चाहिए। वर्तमान में एन.डी.पी.एस. अधिनियम के अंतर्गत दंड के प्रावधानों की समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी के पास 5 ग्राम तक चिट्टा बरामद होता है, तो उसके लिए निर्धारित दंड का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, कानून में आवश्यक संशोधन पर भी विचार किया जाना चाहिए। गवाहों के मुकर जाने के कारण अनेक अपराधी दंड से बच जाते हैं। इस संबंध में डिजिटल साक्ष्यों, जैसे वीडियो रिकॉर्डिंग के उपयोग को कानूनी रूप से अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए तथा झूठी गवाही या जानबूझकर मुकरने के मामलों में विधिसम्मत कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। पर्यटन विभाग को अधिक सशक्त बनाया जाए तथा उसके अंतर्गत एक विशेष कार्यबल का गठन किया जाना चाहिए। पंचायतों एवं आंगनवाड़ी संस्थाओं को सशक्त किया जाए तथा ग्राम स्तर पर नशा–निवारण संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी ऐसे अपराधों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध प्रचलित कानूनों के अनुसार कठोर विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाए।

नशा मुक्ति केंद्रों को अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा जो केंद्र केवल औपचारिकता निभा रहे हैं, उनकी नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। स्कूलों, कॉलेजों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता अभियान प्रभावी ढंग से चलाए जाएं। उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं संस्थानों को प्रोत्साहित भी किया जाना चाहिए। केवल छोटी मछली पकडना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। अपराध के बैकवर्ड व फारवर्ड लिंकेज का पता लगाना चाहिए और बड़े अपराधियों का पता लगाकर उनके द्वारा अवैध रूप से अर्जित संपतियों व धन को कुर्क करवाना चाहिए। इस तरह हम कह सकते हैं कि यदि समय रहते इस समस्या का प्रभावी समाधान नहीं किया गया, तो भविष्य में आधी से ज्यादा आबादी नशों का शिकार हो जाएगी तथा नपुंसकता व बांझपन जैसी बीमारियों से ग्रस्त होकर युवक व युवतियां अपने यौवन से खिलवाड़ करते हुए देश व समाज को कमजोर बनाएंगे।

पीएम मोदी के पक्ष में दी गई प्रतिक्रिया पर हुई ट्रोल, यूजर्स बोले- `आप सोचना बंद कर दें'

बीते दिनों कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इस बात पर भूमि पेडनेकर ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने बीते दिनों अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें कहा कि युवाओं को ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसे में कुछ यूजर्स को उनकी बात पसंद नहीं आई और अब वह खूब ट्रोल हो रही हैं। कई यूजर्स को लगता है कि अगर बच्चों ने प्रोटेस्ट में गाली तो वहीं सरकार ने भी उन पर पुलिस द्वारा लाठियां चलवाईं। इस बात को सोशल मीडिया यूजर्स बिल्कुल गलत मानते हैं। एक यूजर ने भूमि की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में ही लिखा, 'लाठियां, आंसू गैस, पेलेट गन। हम ऐसे बात नहीं करते यार।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'अगर आप बोलने के लिए इतनी ही उत्सुक हैं, तो आप पुलिस की क्रूरता पर बात क्यों नहीं करती हैं? खासकर महिलाओं के खिलाफ। इसे कैसे सही ठहराया जा सकता है?' इसी तरह एक यूजर ने कमेंट किया, 'जब हमारे मंत्री ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं तो आपको बोलते हुए देखना अच्छा लगेगा।' वहीं एक यूजर ने तो कमेंट में लिखा, 'अच्छी स्क्रिप्ट है।' भूमि पेडनेकर ने शनिवार को एक वीडियो इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया था। इसमें वह कहती हैं, 'अभी जो वीडियो सामने आ रहे हैं, उनमें बहुत खराब भाषा का इस्तेमाल हो रहा है। हमारे देश के युवा या हम ऐसे बात नहीं करते हैं। हम उस व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो आज देश के सबसे ऊंचे पद पर है। बात सिर्फ पद की नहीं है, क्या हम अपने घर के बुजुर्गों से कभी ऐसे बात करते हैं? क्या हम सच में गाली–गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं?' भूमि पेडनेकर आगे युवाओं को सलाह देते हुए कहा था, 'हमारी संस्कृति और हमारे संस्कार ही हमारी रीढ़ की हड्डी हैं। हमें उनसे भटकना नहीं चाहिए

> “
> हम उस व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो आज देश के सबसे ऊंचे पद पर है। बात सिर्फ पद की नहीं है, क्या हम अपने घर के बुजुर्गों से कभी ऐसे बात करते हैं? क्या हम सच में गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं?'

वरना हम सही बातें सही तरीके से नहीं कह पाएंगे और न ही उन पर कभी अमल हो पाएगा या कोई बदलाव आ पाएगा। हमें एकजुट होकर आगे बढ़ने की जरूरत है।' भूमि पेडनेकर के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारतरू छत्रपति शिवाजी महाराज' का हिस्सा बनी हैं। इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी।

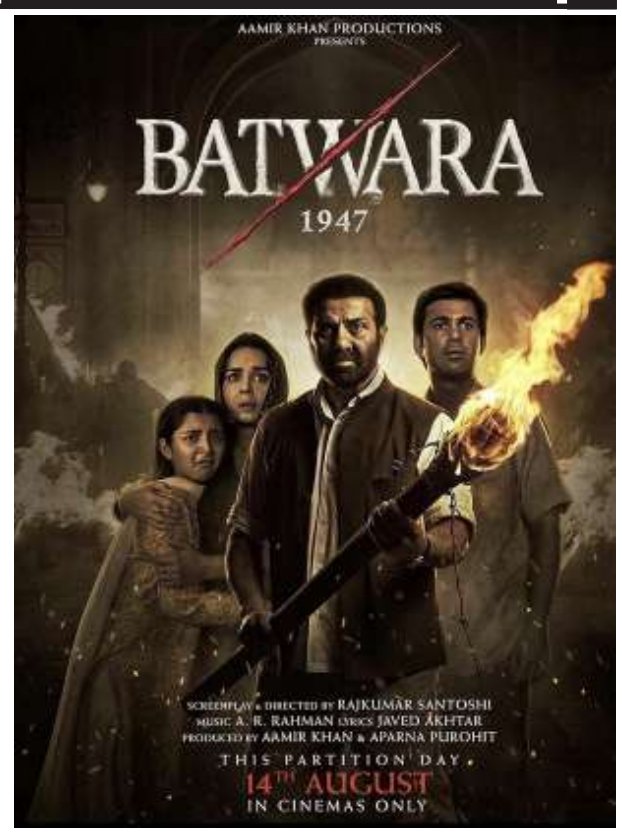

बंटवारा 1947 के प्रमोशन में सनी देओल करेंगे खास पहल, बहादुर लोगों को करेंगे सम्मानित

आमिर खान प्रोडक्शंस की मोस्ट अवेटेड फिल्म बंटवारा 1947 रिलीज से पहले ही सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म के टीजर और पोस्टर्स के बाद अब ट्रेलर ने भी दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। बंटवारे की त्रासदी और इंसानियत की कहानी को दिखाने वाले ट्रेलर को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म की टीम इन दिनों देशभर में प्रमोशनल सिटी टूर कर रही है। इसी दौरान फिल्म से जुड़ी एक खास पहल सामने आई है, जिसमें अभिनेता सनी देओल समाज के लिए बेहतर काम करने वाले लोगों को सम्मानित करेंगे। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक, बंटवारा 1947 के प्रमोशनल टूर के दौरान हर शहर में सनी देओल उन लोगों को सम्मानित करेंगे, जिन्होंने अपनी जिम्मेदारी से आगे बढ़कर समाज के लिए योगदान दिया है। इस पहल का उद्देश्य फिल्म के संदेश को सिर्फ पर्दे तक सीमित न रखते हुए असल जिंदगी के साहस, इंसानियत और करुणा को भी सम्मान देना है। उफिल्म के ट्रेलर में साल 1947 के बंटवारे की भयावह स्थिति को दिखाया गया है। कहानी में जहां हिंसा और दर्द नजर आता है, वहीं दूसरी ओर ऐसे आम लोगों की हिम्मत भी दिखाई गई है, जिन्होंने मुश्किल हालात में भी इंसानियत का साथ नहीं छोड़ा। ट्रेलर रिलीज के बाद दर्शकों ने फिल्म की कहानी, विजुअल्स और कलाकारों की एक्टिंग की जमकर तारीफ की है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म का संगीत ऑस्कर विजेता संगीतकार ए. आर. रहमान ने तैयार किया है, जबकि गीतों को जावेद अख्तर ने लिखा है। फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। बंटवारा 1947 दुनियाभर के सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

नए रंग-ढंग में पुराने गाने की हुई वापसी, फिल्म `ओह माय डॉग' के बाल कलाकार जमकर थिरके

'ओह माय गॉड' फेम निर्देशक अमित राय की फिल्म 'ओह माय डॉग' कुछ दिनों में रिलीज होगी। इस फिल्म में हिट गाने 'छोटा बच्चा जान के हमको ना समझाना रे' भी शामिल किया गया है। इस गाने में फिल्म के बाल कलाकार कमाल का डांस कर रहे हैं। यहां देखिए, गाने की एक झलक। डायरेक्टर अमित राय की अगली फिल्म है 'ओह माय डॉग' में 'छोटा बच्चा जान के' गाने को मॉडर्न ट्विस्ट दिया गया है। फिल्म की कहानी बच्चों और डॉग की दोस्ती पर है तो गाने में भी बच्चे डांस रहे हैं, वहीं दो डॉग्स भी दिखाई दे रहे हैं। यह गाना टिप्स ने अपने यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर साझा किया है। फिल्म 'ओह माय डॉग' पहले 31 जुलाई को रिलीज हो रही थी लेकिन बड़ी फिल्मों के आगे पर्याप्त थिएटर स्क्रीन ना मिलने के कारण मेकर्स ने इसे आगे बढ़ा दिया। अब यह फिल्म 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, पवन मल्होत्रा, राजेश कुमार, गीता अग्रवाल, विजय मिश्रा और सुलाख्याना बरुआ जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में 250 से ज्यादा डॉग्स भी नजर आएंगे।

खतरनाक स्टंट के बाद गौरव खन्ना की पीठ पर पड़े रबर बुलेट के निशान

शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' के लेटेस्ट एपिसोड में किए गए एक स्टंट के बाद गौरव खन्ना की पीठ पर रबर बुलेट के निशान और चोटें साफ दिखाई दीं, जिसे देखकर लोगों ने कंटेस्टेंट्स की सेफ्टी को लेकर चिंता जताई है। 'खतरों के खिलाड़ी 15' के नए एपिसोड में गौरव खन्ना, विशाल आदित्य सिंह, शगुन शर्मा और करण वाही ने एक बेहद खतरनाक स्टंट किया, जिसमें चारों को चोटें आईं। गौरव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी पीठ पर पड़े निशान साफ नजर आ रहे हैं। उन्होंने यह वीडियो शेयर करते हुए ओरहान अवत्रामणि यानी ओरी का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस मूमेंट को रिकॉर्ड किया। गौरव ने लिखा, 'टीवी पर देखकर भी मुझे ये दर्द महसूस हो रहा है। ये अब तक का सबसे दर्दनाक अनुभव था। हम चारों इस दौर से गुजरे हैं और अभी भी ये निशान मौजूद हैं।' एपिसोड में होस्ट रोहित शेट्टी ने 'फियर फंडा' स्टंट का ऐलान किया, जो उन कंटेस्टेंट्स को दिया जाता है जिन पर एलिमिनेशन का खतरा होता है। इस टास्क के लिए हर टीम से दो–दो कंटेस्टेंट चुने गए। स्टंट में सभी कंटेस्टेंट्स को एक लाइन में खड़ा होना था, उनकी पीठ शूटर की तरफ होती है। इसके बाद उन पर रबर बुलेट्स चलाई जाती हैं और उन्हें तब तक सहना होता है, जब तक दो लोग हार मानकर टास्क छोड़ नहीं देते।

स्टंट से पहले गौरव ने कहा था कि ये बहुत दर्दनाक होगा, लेकिन डर का सामना करना ही इस शो की असली पहचान है। उन्होंने कहा, 'पीठ पर ये गोलियां बहुत दर्द देंगी, लेकिन अगर आप केकेके में हैं और खतरे से नहीं खेलते, तो फिर आप किस तरह के खिलाड़ी हैं?' करण वाही ने भी कहा, 'ये कुछ बिल्कुल नया है, लेकिन अच्छी बात ये है कि हमें स्पाइन प्रोटेक्टर दिए गए हैं।' स्टंट के दौरान सबसे पहले शगुन शर्मा और फिर गौरव खन्ना ने टास्क छोड़ने का फैसला किया। बता दें कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' में इस बार अविनाश मिश्रा, फरहाना भाट, शगुन शर्मा, अविका गोर, ओरहान अवत्रामणि (ओरी), हर्ष गुर्जराल, जैस्मिन भसीन, रुबीना दिलैक, करण वाही, रित्विक धनजानी और विशाल आदित्य सिंह जैसे कंटेस्टेंट्स नजर आ रहे हैं।

टीवी अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने साझा की हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें

अभिनेत्री जेनिफर विंगे ने अपनी हल्दी सेरेमनी की अनदेखी तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के जरिए फैंस को उनकी हेल्दी सेरेमनी की खूबसूरत झलक देखने को मिली है। इन तस्वीरों को साझा करने के साथ ही वह अपने दोस्तों के लिए भावुक संदेश भी लिखती हैं। जानिए, अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में जेनिफर विंगेट ने क्या लिखा? साझा की गई तस्वीरों में जेनिफर हरे रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। वहीं उनके पति विलियम सफेद शेरवानी में दिखा आ रहे हैं। तस्वीरों में हेल्दी सेरेमनी के कई खूबसूरत पल कैद थे। इनमें जेनिफर दोस्तों के साथ डांस कर रही हैं। किसी तस्वीर में उनके गालों पर हल्दी लगी है। तो किसी फोटो में वह परिवार और करीबी लोगों के साथ फोटो क्लिक करवा रही हैं। इंस्टाग्राम पोस्ट में तस्वीरें साझा करने के अलावा जेनिफर ने अपने पोस्ट के लिए भावुक संदेश भी लिखा। वह लिखती हैं, 'मेरी हल्दी सिर्फ एक सेलिब्रेशन नहीं थी बल्कि प्यार से भरा एक पल था। जब भी मैं इन तस्वीरों को देखती हूं, मुझे कुछ नया नजर आता है, किसी की प्यारी मुस्कान, किसी का गले मिलना, कोई हमें चीयर कर रहा है, तो कोई यह पक्का कर रहा है कि सब कुछ एकदम सही हो।' जेनिफर आगे लिखती हैं, 'लोग अक्सर कहते हैं कि वे अच्छे दोस्त पाकर लकी हैं, लेकिन मैं तो सबसे ज्यादा लकी हूं। मैंने जिंदगी में जरूर कुछ बहुत अच्छा किया होगा जो मुझे आप जैसे दोस्त मिले। इस दिन को प्लान करने के लिए, मुझे इतना ज्यादा प्यार करने के लिए, मुझे इतना हंसाने के लिए, आपके साथ खड़े रहने के लिए, आप सभी का शुक्रिया।' जेनिफर विंगेट ने टीवी सीरियल में लगभग दो दशक तक काम किया है। टीवी सीरियल शदिल मिल गए, सरस्वतीचंद्र, बेहद और बेपनाह के जरिए दर्शकों के बीच अलग पहचान बनाई। बता दें कि उन्होंने पहले करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी, बाद में इनका तलाक हो गया। अब वह विलियम इश्माएल से दूसरी शादी कर चुकी हैं और काफी खुश हैं।

प्यार के गलियारों में चर्चा में है घोस्टिंग, जानें क्या है ये और कैसे इससे करें अपना बचाव

प्यार के गलियारों में घोस्टिंग और गैसलाइटिंग शब्द आजकल बड़े ट्रेंड में चल रहे हैं। ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करने वाले लोग इन दो शब्दों से भली भाँति वाकिफ होंगे। अनजान लोगों को हम पहले घोस्टिंग और गैसलाइटिंग का मतलब बता देते हैं। घोस्टिंग शब्द का इस्तेमाल उस परिस्थिति में किया जाता है जब एक व्यक्ति अपने पार्टनर को बिना कोई वार्निंग दिए या बताए उनसे सारे संपर्क तोड़ देता है। वहीं एक व्यक्ति द्वारा अपने पार्टनर को उनकी सोच, यादों, सच्चाई, ख्यालों पर सवाल करने को मजबूर कर देने की प्रक्रिया को गैसलाइटिंग कहते हैं। इन दोनों शब्दों के अलावा बात करें तो आजकल एक नया शब्द घोस्टलाइटिंग इन दिनों नया–नया चर्चा में आया है। चलिए इसके बारे में विस्तार से आपको बताते हैं–

क्या है घोस्टलाइटिंग?

घोस्टलाइटिंग, घोस्टिंग और गैसलाइटिंग को मिलाकर बना है। ये शब्द तब इस्तेमाल किया जाता है जब एक व्यक्ति अपने पार्टनर को घोस्ट कर देता है और फिर कुछ समय के बाद वापस उनकी जिंदगी में फिर से आ जाता है। आसान शब्दों में कहें तो पार्टनर को बिना बताए छोड़कर कुछ समय बाद वापस आकर उन्हें फिर से बेवकूफ बनाने की प्रक्रिया को घोस्टलाइटिंग कहते हैं। घोस्टलाइटिंग करने वाले लोग वापस अपने पार्टनर की जिंदगी में आते हैं और उन्हें अपने फैसलों के पीछे की वजह बताते हैं। ये लोग अपने पार्टनर को फिर से बेवकूफ बनाने के लिए आमतौर पर इमोशनल वजहों का सहारा लेते हैं।

घोस्टलाइटिंग से कैसे बचें?

घोस्टलाइटिंग से बचने के लिए सबसे पहले घोस्टलाइटर की पहचान करने की जरूरत है। घोस्टलाइटर वो व्यक्ति होता है जो अपने पार्टनर को बिना किसी वार्निंग के छोड़ देता है और फिर एक दिन वापस लौटने का फैसला करता है वो भी बिना माफी और स्पष्टीकरण दिए। अगर आप इस चीज पहचान कर लेते हैं तो खुद से सवाल करें कि क्या आप ऐसे व्यक्ति के साथ फिर से बातचीत शुरू करना चाहते हैं। अगर नहीं तो ये बात साफ–साफ उस व्यक्ति को बता दें। इस दौरान एक चीज जो ध्यान में रखने वाली है वो ये है कि घोस्टलाइटिंग करने वाले व्यक्ति से ईमानदार प्रतिक्रिया मिलने की संभावना कम होती है। इसलिए इसकी उम्मीद नहीं करेंगे तो आपके लिए बेहतर होगा।

सुबह की चाय पीने से नहीं बढ़ेगा वजन, अपनाएं ये उपाय

सुबह के समय अधिकतर घरों में लोग चाय पीना पसंद करते हैं। हम सभी ने सुना है कि सुबह के समय चाय का सेवन नहीं करना चाहिए। लेकिन जिन लोगों को सुबह चाय पीने की आदत

होती है, वे चाहकर भी अपनी इस आदत को छोड़ नहीं पाते हैं। ऐसे में जरूरी होता है कि आप कुछ छोटे–छोटे टिप्स अपनाएं, जिससे चाय पीने के बाद भी आपको वजन बढ़ने की समस्या नहीं होगी। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं–

स्किम्ड दूध का करें इस्तेमाल

जब आप चाय बना रहे हैं तो उसमें किस तरह के दूध का इस्तेमाल करते हैं, इससे काफी फर्क पड़ता है। मसलन, अगर आप चाय बनाते समय उसमें फुल क्रीम दूध का इस्तेमाल करते हैं तो इससे उसका कैलोरी कंटेंट काफी बढ़ जाता है। जिससे वजन पर भी असर पड़ता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप कैलोरी कंटेंट को बैलेंस करने के लिए आप फुल क्रीम दूध की जगह स्किम्ड दूध का इस्तेमाल करें।

चीनी की मात्रा

जब आप चाय का सेवन कर रहे हैं तो उसमें चीनी की मात्रा से काफी असर पड़ता है। मसलन, 1 चम्मच चीनी में 19 कैलोरी होती है, जबकि एक टेबलस्पून चीनी में 48 कैलोरी पाई जाती है। इसलिए, अगर आप सुबह के समय चाय पीते हैं या फिर आप दिनभर कई कप चाय पीते हैं तो ऐसे में आपको अपनी चीनी की मात्रा पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। अन्यथा आपका वजन बढ़ सकता है।

ना लें अनहेल्दी स्नैक

अक्सर लोगों की यह शिकायत होती है कि चाय से उनका वजन बढ़ता है। लेकिन वास्तव में उसके पीछे की मुख्य वजह चाय के साथ लिया जाने वाला अनहेल्दी स्नैक होता है। जब भी हम चाय लेते हैं तो उसके साथ कुछ अनहेल्दी स्नैक जैसे नमकीन, बिस्कुट व रस्क आदि खाते हैं। इससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है।

बिल्कुल खाली पेट ना लें

भले ही आपको सुबह के समय चाय पीने की आदत है, लेकिन फिर भी आपको इसे बिल्कुल खाली पेट ना लें। इससे आपको एसिडिटी व जलन की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए, कोशिश करें कि आप हल्के भोजन या नाश्ते के बाद ही चाय का सेवन करें।

मोमोज खाने के शौकीन जरूर पढ़ें... ये डिश ले सकती है जान भी

मोमोज आज भारत भर में ऐसी डिश बन चुकी है जो हर जगह उपलब्ध होने लगी है। अपने शानदार टेस्ट के कारण नेपाल के पहाड़ों से निकलकर अब भारत के अधिकतर राज्यों के शहरों की गलियों में ये डिश पहुंच चुकी है। अधिकतर जगहों पर इसने अपने पैर पसार लिए है।

शाम होने तक सड़कों पर कई जगहों पर मोमोज के स्टॉल दिखते है। मगर जितना इस डिश का क्रेज युवाओं में है ये सेहत पर उतनी ही घातक भी है। यहां तक की मोमोज की वजह से गोपालगंज में एक व्यक्ति की जान भी चली गई है, क्योंकि उसने मोमोज खाए थे। युवक की मौत को लेकर डॉक्टरों ने बताया कि युवक की मौत के पीछे कारण सिर्फ मोमोज ही थे। दरअसल युवक ने काफी अधिक मोमोज खाए थे जिस कारण उसकी मौत हो गई है।

जानकारी के मुताबिक गोपालगंज में दोस्तो में शर्त लगी थी कि युवक को 150 मोमोज खाने होंगे। शर्त को पूरा करने के लिए युवक मोमोज खाने के दौरान ही सड़क पर बेहोश होकर गिर गया। उसे लोग अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों को पता चला कि युवक के गले में मैदा और सब्जी फंस गया था और इस कारण युवक का गला चोक हो गया था। यही युवक की मौत का कारण भी बना।

गौरतलब है कि स्ट्रीट फूड के तौर पर मिलने वाले मोमोज अगर अधिक मात्रा में खाए जाएं तो ये व्यक्ति की सेहत को अधिक मात्रा में नुकसान पहुंचा सकते है। बता दें कि अगर कोई भी फूड जरुरत से अधिक मात्रा में खाया जाए तो शरीर की क्षमता पर असर कर सकता है। इससे सांस लेने में परेशानी हो सकती है। ये शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई को रोक सकता है जिससे व्यक्ति की जान को खतरा हो सकता है। कई मामलों में देखा जाता है कि जब कोई व्यक्ति ओवर ईटिंग करता है तो सांस लेने में काफी परेशानी होती है। अधिक खाना खाने से मल्टीपल ऑर्गन फेलियर भी होता है, जिससे मौत हो सकती है।

जानें डिश के बारे में

बता दें कि मोमोज 600 वर्ष पुरानी डिश है। आज के समय में मोमोज भले ही देश के कोने कोने में पहुंच चुका है मगर मूल रूप से ये अरुणाचल प्रदेश के मोनपा और शेरदुकपेन जनजाति के खान पान का अहम हिस्सा है। ये इलाका नेपाल और तिब्बत से बिलकुल लगा हुआ है। पारंपरिक तौर पर मोमोज को कीमा, मांस, आलू, लीक से मिलाकर तैयार करते है। हालांकि अब इसकी कई तरह की वैरायटी मार्केट में उपलब्ध है।

हो सकती है ये परेशानियां भी

रोज मोमोज खाना भी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक होता है क्योंकि ये डायबिटीज होने का खतरा बढ़ाता है। मैदा खाने से डायबिटीज बढ़ सकती है। मोमोज का आटा बनाने में भी केमिकल का उपयोग होता है जिससे ये अधिक नुकसानदायक होती है।

पाइल्स की परेशानी

मोमोज में मैदा होने के कारण ये पाइल्स की परेशानी दे सकता है। मोमोज के साथ तीखी चटनी खाई जाती है जो सेहत के लिए अच्छी नहीं होती है। ऐसे में इसका सेवन करने से बचना चाहिए।

कब्ज की होगी दिक्कत

मोमोज खाने से कब्ज की परेशानी भी हो सकती है। इसके पीछे भी मुख्य कारण मैदा होता है, जो आंतों में चिपकता है। इसका रोज सेवन करने से बचना चाहिए।

बच्चों से लेकर बड़ों तक में तेजी से फैल रहा आई फ्लू, जानिए लक्षण और बचाव के तरीके

देश में भारी बारिश और बाढ़ के हालातों के बीच तेजी से आई फ्लू का कहर बढ़ रहा है। तमाम राज्यों के लोग बड़ी तादात में इस बीमारी की चपेट में आ गए हैं। बता दें कि आई फ्लू के खतरे को देखते हुए कई राज्यों के स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। इस फ्लू की चपेट में सबसे ज्यादा बच्चे आ रहे हैं। आई फ्लू के कारण सभी लोगों की चिंता बढ़ गई है। मेडिकल भाषा में आई फ्लू को कंजक्टिवाइटिस कहा जाता है। आई फ्लू से संक्रमित होने पर आंखें लाल हो जाती हैं और उनमें खुजली होने लगती है। आंखों से पानी बहने के साथ ही रोशनी से समस्या होने लगती है। वहीं कई लोगों की आंखों में सूजन भी हो जाती है। आई फ्लू के बढ़ते कहर के बीच लोगों के बीच यह बात तेजी से फैल रही है कि इस फ्लू के संक्रमित व्यक्ति की आंखों में देखने से आई फ्लू फैल सकता है। लेकिन इस बात में कितनी सच्चाई है, यह हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

आई स्पेशलिस्ट के अनुसार, आई फ्लू एक वायरल इंफेक्शन होता है। जो इस समय तेजी से फैल रहा है। संक्रमण की वजह से यह वायरस फैलता है। इस इंफेक्शन के कारण आंखों में परेशानी होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। आई फ्लू में व्यक्ति की आंखों से फ्लूड निकलना, आंखों में खुजली होना, सूजन आना, आंखे लाल होना और लाइट सेंसिटिविटी जैसी

समस्याएं होने लगती हैं।

हालांकि आई स्पेशलिस्ट के अनुसार, यह वायरस आंखों के लिए खतरनाक नहीं होता है। यह वायरस 1–2 सप्ताह में अपने आप ही सही हो जाता है। आई फ्लू होने से लोगों के विजन में कोई समस्या नहीं होती है। लेकिन कई बार इस वायरस की वजह से देखने में टेंपरेरी समस्या हो सकती है। लेकिन विजन समय के साथ ही ठीक हो जाता है। आई स्पेशलिस्ट की मानें तो यह एक सेल्फ लिमिटिंग इंफेक्शन है। इस वायरस को लेकर ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है।

कैसे फैलता है आई फ्लू

प्राप्त जानकारी के मुताबिक संक्रमित व्यक्ति की आंखें देखने से दूसरे व्यक्ति को आई फ्लू नहीं हो सकता है। यह वायरस देखने से फैलता है, यह एक बहुत बड़ी गलतफहमी है। आमतौर पर यह वायरस आई फ्लू सर्फेस से फैलता है। अगर आई फ्लू से संक्रमित व्यक्ति कहीं पर हाथ लगाता है और उसी जगह के संपर्क में आने वाला अन्य व्यक्ति अपनी आंखों पर लगाता है। तो आई फ्लू वायरस फैल जाता है। आई फ्लू से संक्रमित व्यक्ति की बेडशीट, तकिया, तौलिया या अन्य पहनने वाले कपड़ों को छूने से आंखों का संक्रमण फैलता है। इस संक्रमण से बचने के लिए लोगों को अपने हाथों की अच्छे से सफाई करनी चाहिए साथ ही आखों को बार–बार छूने से बचना चाहिए।

ऐसे करें बचाव

आई स्पेशलिस्ट की मानें तो आई फ्लू से संक्रमित होने पर घबराने की जरूरत नहीं है। यह संक्रमण एक–दो हफ्ते में अपने आप ठीक हो जाता है। इस संक्रमण को सही करने से किसी टैबलेट या दवा की जरूरत नहीं होती है। लेकिन अगर आपको आंखों में ज्यादा इरिटेशन हो रही है तो आप डॉक्टर की सलाह पर आर्टिफिशियल टीयर और लुब्रिकेंट आई ड्रॉप का उपयोग कर सकते हैं। इस दौरान लापरवाही बिलकुल भी न बरतें और समस्या ज्यादा होने पर डॉक्टर से परामर्श जरूर करें।

पार्टनर संग घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है यह जगह

हर दूसरा व्यक्ति घूमने का बहुत शौकीन होता है। हर व्यक्ति अपने बिजी समय से थोड़ा सा समय घूमने के लिए जरूर निकालता है। आप भी अपने परिवार के साथ, दोस्तों के साथ या फिर पार्टनर के साथ घूमने के लिए गए होंगे। हमारे देश में कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां पर हर साल लाखों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। घूमने के दौरान जहां आपकी थकावट भी गायब हो जाती है, तो वहीं दूसरी ओर आप कई अच्छी यादें भी लेकर साथ लेकर आते हैं।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अगस्त के महीने में जा सकते हैं। आपका यह ट्रिप यकीनन बेहद अच्छा हो सकता है। क्योंकि यह जगह इतनी ज्यादा खूबसूरत हैं कि आपका वहां बार–बार जाने का मन करेगा। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में जहां पर आप अगस्त के महीने में अपने दोस्तों या पर्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

पहलगाम (जम्मू–कश्मीर)

हर भारतीय का सीना जम्मू–कश्मीर का नाम आते ही गर्व से चौड़ा हो जाता है। यहां पर हर साल लाखों की संख्या में पर्टयक घूमने के लिए पहुंचते हैं। बता दें कि जम्मू–कश्मीर की एक बेहद खूबसूरत जगह पहलगाम है। अगस्त के महीने में पहलगाम की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है। यहां पर आप बीटा घाटी, तुलियन झील और बैसारन हिल्स जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

मॉलिंनॉन्ग (मेघालय)

शिलांग से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित मॉलिंनॉन्ग एक छोटा सा गांव है। वैसे तो शिलांग और मेघालय में घूमने के लिहाज से कई खूबसूरत जगहें हैं। लेकिन अगस्त के महीने में मॉलिंनॉन्ग घूमने का अलग ही मजा है। आप यहां पर अपने पार्टनर के साथ डावकी नदी किनारे समय गुजार सकते हैं। इसके अलाव स्काई व्यू आदि जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इस दौरान मॉलिंनॉन्ग जलप्रपात का लुत्फ उठाना न भूलें।

कौसानी (उत्तराखंड)

उत्तराखंड की वादियां हर पर्यटक का दिल जीत देती हैं। उत्तराखंड का कौसानी एक छोटा सा गांव है। कौसानी की सुंदरता अगस्त में देखने लायक होती है। कौसानी में हरे–भरे मैदान, ऊंचे–ऊंचे हिमालय की चोटियां और देवदार के पेड़ यहां की शोभा में चार चांद लगाने का काम करते हैं। यहां पर आप कौसानी टी एस्टेट, ग्वालदम और रुद्रधारी फॉल्स जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पंचगनी (महाराष्ट्र)

बता दें कि पंचगनी महाराष्ट्र में स्थित है। यहां पर हर साल काफी पर्यटक पहुंचते हैं। आपको यहां पर सिडनी प्वाइंट, कास पठार, भीलर फॉल्स, टेबल लैंड, राजपुरी गुफाएं, केट्स प्वाइंट और पारसी प्वाइंट जैसी खूबसूरत जरूर घूमनी चाहिए। इसके अलावा आपका फोटोग्राफी का शौक है, तो यह शौक भी यहां पर पूरा हो सकता है। इसके अलावा आप ट्रैकिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

संक्षिप्त

केजरीवाल को खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने दिया जवाब, बोले- भारत की मेजबानी में सभी प्रमुख खेल होंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा। देश की झोली में कुल 39 मेडल आए। हालांकि, इस बार के कॉमनवेल्थ गेम्स में कुश्ती और निशानेबाजी को शामिल नहीं किया गया, जिसमें आमतौर पर भारत के सबसे ज्यादा मेडल आते हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इन खेलों के ना होने को लेकर नाराजगी जाहिर की थी और इसका पुरजोर विरोध करने की सलाह दी थी। केजरीवाल की इस बात का करारा जवाब केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने दिया है। खेल मंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्स पर लिखा, केजरीवाल जी, आप एकदम निश्चिंत रहिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब भारत 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन करेगा, तो वह सबसे भव्य और ऐतिहासिक होगा। उस दौरान हमारे सभी प्रमुख स्पोर्ट्स भी इसमें शामिल होंगे और हम अपने सर्वाधिक मेडल्स भी जीतेंगे। ये नए भारत की गारंटी है। इससे पहले, केजरीवाल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर भारतीय खिलाड़ियों को बधाई देने के साथ–साथ कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में रेसलिंग और शूटिंग के न होने को लेकर दुख जताया था। उन्होंने लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के समापन पर, मैं उन सभी खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने इसमें हिस्सा लिया और देश के लिए मेडल जीते। हमें आप पर बहुत गर्व है। हमारी अपार क्षमता को देखते हुए, ऐसा कोई कारण नहीं है कि भविष्य में भारत मेडल तालिका में सबसे ऊपर न हो। जमीनी स्तर पर सोच–समझकर किए गए निवेश और खिलाड़ियों को सही ढांचागत सहयोग अद्भुत परिणाम दे सकते हैं। हालांकि, यह देखना बहुत निराशाजनक है कि कुश्ती और शूटिंग जैसे खेल, जिनमें हम पारंपरिक रूप से उत्कृष्ट रहे हैं, उन्हें कॉमनवेल्थ की सूची से हटा दिया गया है। भारत को इन अनुचित निष्कासनों का पुरजोर विरोध करना चाहिए। दरअसल, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की मेजबानी पहले ऑस्ट्रेलिया के शहर विक्टोरिया को करनी थी। हालांकि, बढ़ते खर्चों के कारण विक्टोरिया ने साल 2023 में गेम्स की मेजबानी से अपने कदम पीछे खींच लिए थे, जिसके बाद सितंबर 2024 में कॉमनवेल्थ गेम्स के इस संस्करण की मेजबानी की जिम्मेदारी स्कॉटलैंड के ग्लास्गो को दे दी गई थी। तैयारी के लिए कम समय होने के कारण कुल नौ खेलों को इस संस्करण से हटाने का फैसला लिया गया था।

अदालत के फैसले का दुख है, पहलवान लड़ाई जारी रखेंगे, बृजभूषण के बरी होने पर बोले बजरंग पूनिया

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के मामले में बरी कर दिया। कोर्ट ने सबूतों का अभाव बताते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट के इस निर्णय पर भारतीय पहलवान बजरंग सिंह पूनिया ने दुख जताया है। बजरंग ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, हमें सड़क पर उतरने और सत्ताधारी पार्टी के एक बाहुबली नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के लिए बहुत हिम्मत जुटानी पड़ी थी। सत्ता और अपने बाहुबल के दम पर बृजभूषण ने कई लड़कियों को डराकर उनके नाम वापस करवाए हैं। पर कई महिला पहलवान खड़ी रहीं और कोर्ट में बृजभूषण के खिलाफ लड़ाई लड़ती रहीं। हमें इस बात का बहुत दुख है कि अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन हिंसा के आरोपों में दोषी नहीं माना। बजरंग ने आरोप लगाया कि सरकार से लेकर पूरा सिस्टम शुरुआत से ही बृजभूषण को बचाने का प्रयास कर रहा था। उन्होंने आगे लिखा, श्पहले दिन से ही सारा तंत्र, सरकार और ये सिस्टम बृजभूषण को बचाने के लिए लगा हुआ है। महिला पहलवानों ने अपने वकीलों को इस फैसले के खिलाफ अपील करने का निर्देश दे दिया है और यह जल्द से जल्द की जाएगी। हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है और पहलवान अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के मामले में बृजभूषण को बरी करने का फैसला सुनाया। बृजभूषण के साथ इस मामले में सह–आरोपी रहे विनोद तोमर को भी बरी कर दिया गया है। इससे पहले, दो जुलाई को कोर्ट ने इस मामले को लेकर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। गौरतलब है कि महिला पहलवानों ने बृजभूषण सिंह पर भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद पर रहने के दौरान महिला खिलाड़ियों से यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। इस मामले को लेकर महिला पलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने जंतर–मंतर पर धरना प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद जून 2023 में बृजभूषण के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने कई धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी।

कर्फ्यू में कुर्सी को बल्लेबाज मानकर करते थे अभ्यास, आकिब का बारामूला से टीम इंडिया तक सफर

नई दिल्ली,एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए जब भारतीय टीम का पहली बार एलान हुआ था, तो सबसे ज्यादा चर्चा एक नए नाम की थी– 29 साल के आकिब नबी को जगह क्यों नहीं मिली। जम्मू–कश्मीर के इस तेज गेंदबाज को दो शानदार घरेलू सत्र के बाद भी टीम में शामिल नहीं किया गया। काफी बातें हुईं और पूर्व क्रिकेटरों ने चयनकर्ताओं पर निशाना साधा। हालांकि, उनके लिए टीम का रास्ता तब खुला, जब चोटिल जसप्रीत बुमराह सीरीज से बाहर हो गए। आकिब को बुमराह का रिप्लेसमेंट बनाया गया और वह पहली बार भारतीय टीम में शामिल हुए। आकिब न सिर्फ एक शानदार तेज गेंदबाज हैं, बल्कि लोअर ऑर्डर के एक उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। ऐसे में उन्हें श्रीलंका में डेब्यू का मौका भी मिल सकता है। हालांकि, यह सिर्फ एक चयन की कहानी नहीं है। यह उस लड़के की कहानी है, जिसने कर्फ्यू में अपने घर के आंगन में कुर्सी को बल्लेबाज बनाकर घंटों गेंदबाजी की और आज उसी मेहनत ने उसे टीम इंडिया तक पहुंचा दिया। बारामूला में पले–बढ़े आकिब नबी के लिए क्रिकेट खेलना आसान नहीं था। वहां न तो अच्छी पिचें थीं और न ही अभ्यास करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं। कई बार कर्फ्यू के कारण मैदान तक पहुंचना भी संभव नहीं होता था। ऐसे माहौल में उन्होंने शिकायत करने के बजाय उपलब्ध संसाधनों से ही अपने सपनों को आकार दिया। आकिब याद करते हैं, श्मुश्किल यह नहीं था कि क्रिकेट खेलना चाहता था, मुश्किल यह थी कि सुविधाएं नहीं थीं। कश्मीर और जम्मू में अभ्यास के लिए अच्छी विकेटें नहीं थीं। मेरे पास सही उपकरण भी नहीं थे। जो कुछ उपलब्ध था, उसी से अभ्यास किया और खुद को तैयार किया। उनकी जिंदगी की सबसे भावुक याद उन दिनों की है, जब बारामूला में कर्फ्यू लगा हुआ था। मैदान बंद थे, लेकिन उनका सपना नहीं रुका। उनके पिता ने घर के आंगन में अस्थायी नेट लगाई और एक कुर्सी को बल्लेबाज मानकर आकिब घंटों गेंदबाजी करते रहे। ढलती शाम तक वह अपनी लेंथ और लाइन सुधारते रहते। आकिब बताते हैं, श्उन दिनों विकेटें बहुत कम थीं। जो था, उसी में काम चलाना पड़ता था। बेहतर सुविधाओं की तलाश में उन्हें रोज करीब 60 किलोमीटर दूर श्रीनगर तक जाकर अभ्यास करना पड़ता था। आकिब के पिता चाहते थे कि उनका बेटा डॉक्टर बने, क्योंकि उसमें सुरक्षित भविष्य

दिखाई देता था, लेकिन आकिब के लिए क्रिकेट ही सब कुछ था। सुबह और शाम सिर्फ गेंद और बल्ले के बीच गुजरती थी। आखिरकार उनके जुनून ने परिवार को भी विश्वास दिला दिया। आकिब नबी की मेहनत का असर पहली बार 2015 में दिखा, जब उन्होंने जम्मू–कश्मीर की अंडर–19 टीम से डेब्यू किया। इसके बाद वह अंडर–23 टीम तक पहुंचे। इस दौरान सी.के. नायडू ट्रॉफी में केरल के खिलाफ पांच विकेट लेकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का दमदार परिचय दिया।

इसके बाद 2018 में उन्होंने लिस्ट–ए क्रिकेट में और दो साल बाद प्रथम श्रेणी (फर्स्ट क्लास) क्रिकेट में डेब्यू किया। शुरुआती प्रदर्शन शानदार रहा। पहले दो लिस्ट–ए सीजन में उन्होंने 18 मैचों में 22.55 की औसत से 34 विकेट लिए, जबकि अपने पहले फर्स्ट क्लास सीजन में 18.50 की औसत से 24 विकेट झटके। हालांकि इसके बाद का दौर उनके लिए आसान नहीं रहा। अगले तीन फर्स्ट क्लास सीजन में वह सिर्फ 22 विकेट ही ले सके और उनकी गेंदबाजी औसत बढ़कर 42.46 हो गई। आकिब नबी के प्रदर्शन में आई गिरावट की एक बड़ी वजह व्यवस्थित कोचिंग का अभाव था। उनकी हाई–आर्म एक्शन से स्विंग गेंदबाजी स्वाभाविक रूप से होती थी, लेकिन शुरुआती वर्षों में उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन लगभग नहीं मिला। इसके बाद उनका करियर कुछ समय के लिए ठहर सा गया। तीन घरेलू सीजन में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके। उस दौर को याद करते हुए वह कहते हैं, जम्मू–कश्मीर क्रिकेट संघ में गेंदबाजी कोच नहीं था। मुझे यह बताने वाला कोई नहीं था कि मैं कहां गलती कर रहा हूं। यहीं से उनकी जिंदगी में गेंदबाजी कोच पी. कृष्णकुमार की एंट्री हुई। कृष्णकुमार ने सिर्फ उनकी तकनीक नहीं सुधारी, बल्कि सोच भी बदल दी। गेंद की ग्रिप, सीम पोजिशन, रन–अप और मानसिक मजबूती, हर पहलू पर काम हुआ। आकिब कहते हैं, श्कोच ने मेरी छोटी–छोटी गलतियां पकड़नी शुरू कीं और बताया कि उन्हें कैसे सुधारना है। पहले मैं सिर्फ नतीजों के बारे में सोचता था, लेकिन अब दबाव को संभालना सीख गया हूं। मैं सिर्फ वही करता हूं, जो कोच कहते हैं।

पिछले साल रणजी ट्रॉफी में मुंबई के खिलाफ मैच ने आकिब की पहचान बदल दी। रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर और शिवम दुबे जैसे सितारों से सजी टीम के खिलाफ उन्होंने दूसरी पारी में चार विकेट लेकर जम्मू–कश्मीर को ऐतिहासिक जीत दिलाई। मुंबई की टीम 300 रन से पहले ही सिमट गई और जम्मू–कश्मीर को 205 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने हासिल कर बड़ी जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। यह जीत सिर्फ टीम के लिए ही नहीं, बल्कि आकिब के करियर के लिए भी टर्निंग पॉइंट साबित हुई। 2025–26 रणजी ट्रॉफी में 10 मैचों में 12 की औसत से 60 विकेट लेकर जम्मू–कश्मीर को पहला रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। इससे पहले के सीजन में भी उनके नाम 44 विकेट थे। इस दौरान उनका औसत 13.93 का था। अगले घरेलू सीजन में आकिब नबी का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी रहा। उन्होंने दलीप ट्रॉफी में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में ऐसा करने वाले भारत के सिर्फ पांचवें गेंदबाज बने। इसके बाद पूरे घरेलू सीजन में उन्होंने अपनी शानदार लय बरकरार रखी और लगातार विकेट चटकाते रहे। आकिब का प्रभाव सिर्फ रेड–बॉल क्रिकेट तक सीमित नहीं रहा। पिछले सीजन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 13.26 की औसत और 7.41 की इकॉनमी से 15 विकेट लिए। वहीं विजय हजारे ट्रॉफी में 22.85 की औसत से 14 विकेट लेकर उन्होंने हर फॉर्मेट में अपनी उपयोगिता साबित की। उनका मानना है कि उनकी सफलता ने जम्मू–कश्मीर के युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

अमेरिका के क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर लगा आठ साल का प्रतिबंध, आईसीसी ने क्यों लिया ये फैसला ?

दुबई,एजेंसी। अमेरिका के क्रिकेटर बोदुगुम अखिलेश रेड्डी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार रोधी कोड की तीन धाराओं का उल्लंघन करने का दोषी पाए जाने के बाद सभी प्रकार के क्रिकेट से आठ साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। 26 वर्षीय रेड्डी पर यह प्रतिबंध संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित 2025 अबूधाबी टी10 टूर्नामेंट से जुड़ी भ्रष्ट गतिविधियों के कारण लगाया गया है। इस लीग के लिए अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा आईसीसी को डेजिग्नेटेड एंटी–कॉरप्शन ऑफिशियल नियुक्त किया गया था। आईसीसी के अनुसार, रेड्डी का आठ साल का निलंबन 21 नवंबर, 2025 से लागू किया गया है, जिस दिन उन्हें पहली बार अस्थायी रूप से निलंबित किया गया था। औपचारिक न्यायाधिकरण की कार्यवाही के बाद, रेड्डी को एंटी–कॉरप्शन कोड के तहत तीन प्रमुख प्रावधानों का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया।

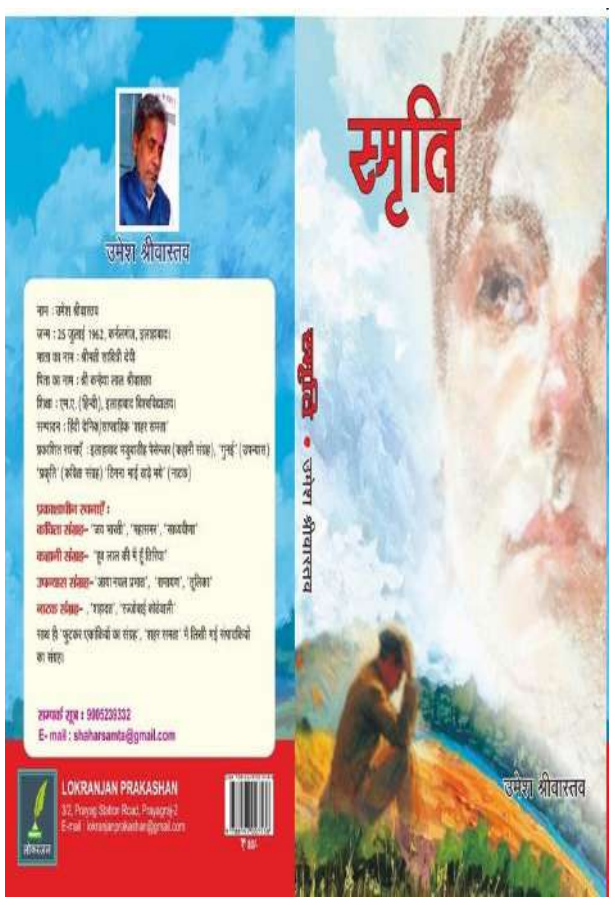

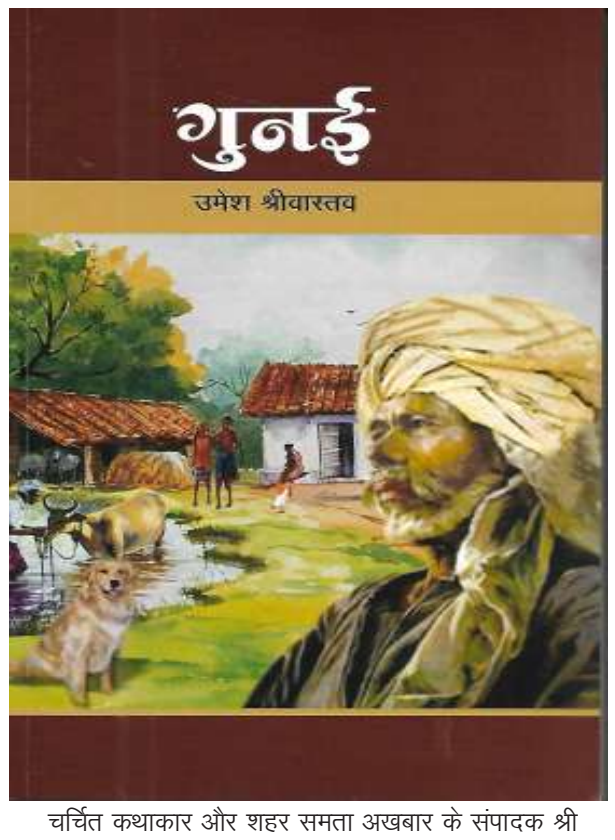

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

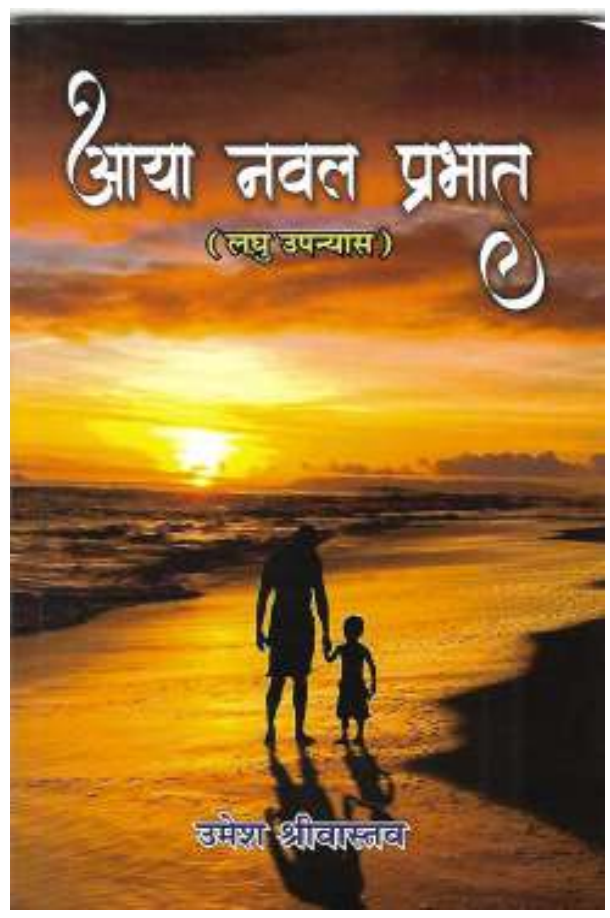

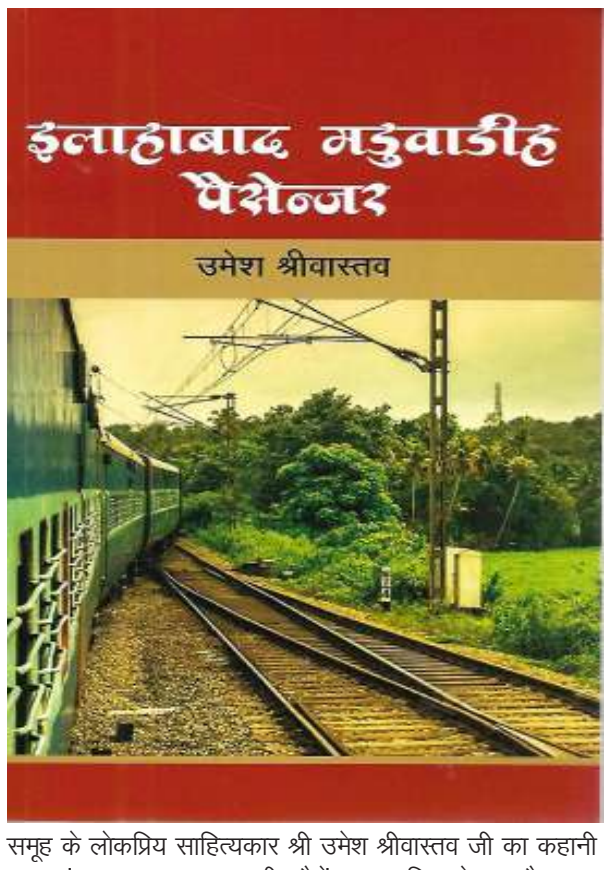

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

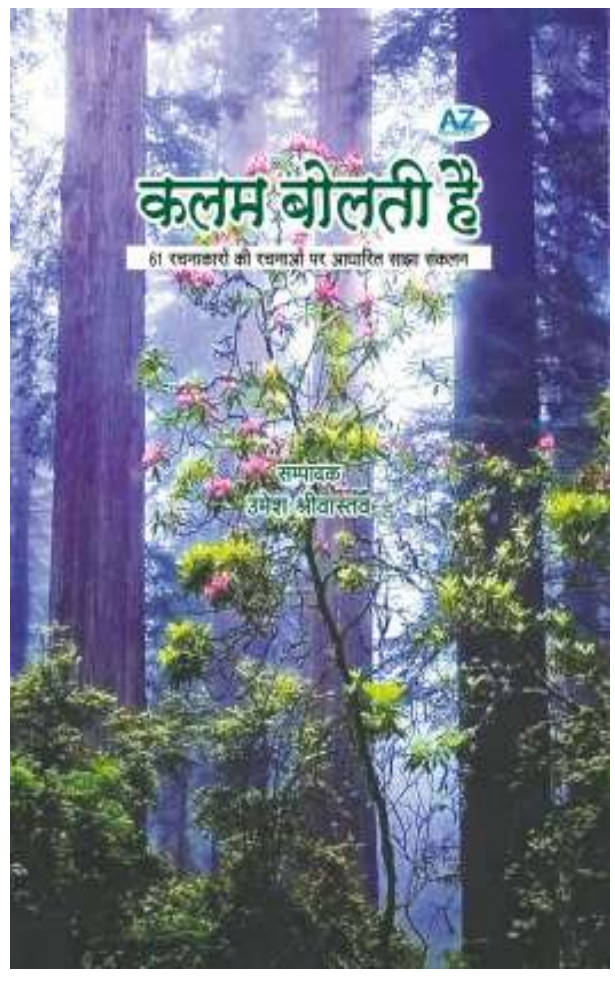

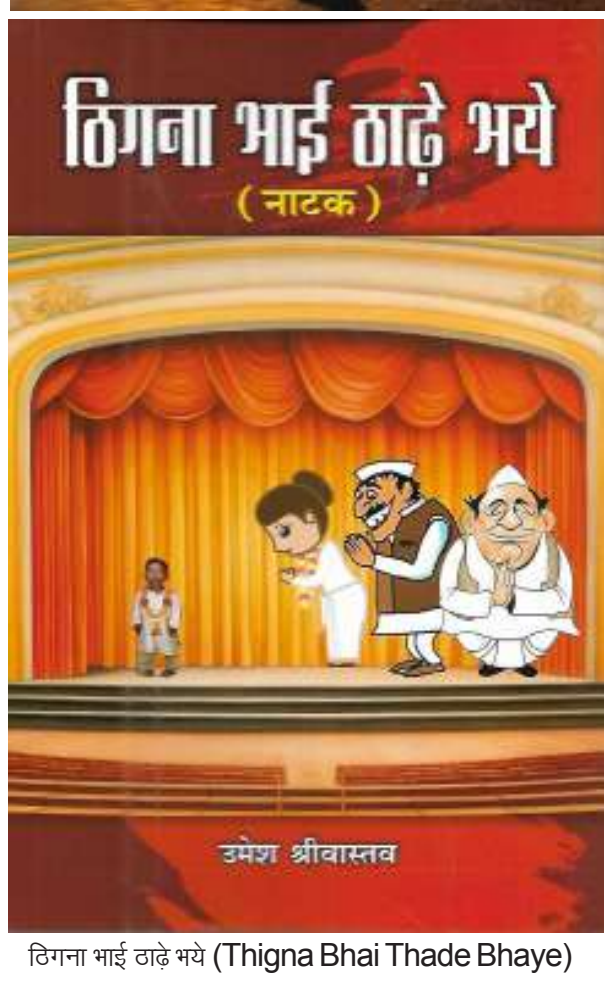

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मिस्र में भूकंप के तेज झटके: शर्म अल-शेख के पास आया 5.5 तीव्रता का भूकंप, जान-माल के नुकसान पर क्या अपडेट?

काहिरा, एजेंसी। मिस्र में सोमवार सुबह शर्म अल–शेख के उत्तर–पूर्वी इलाके में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। देश के राष्ट्रीय खगोलीय और भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान ने यह जानकारी दी। मिस्र के राष्ट्रीय खगोलीय और भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान ने क्या बताया? संस्थान के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के मुताबिक सुबह करीब 3 बजे (0000 जीएमटी) आया। इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप का केंद्र 30.19 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 32.61 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। संस्थान ने बताया कि उसे लोगों से जानकारी मिली है कि भूकंप के झटके महसूस किए गए। लेकिन किसी की जान जाने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के संवाददाताओं ने भी मिस्र की राजधानी काहिरा में भूकंप के झटके महसूस किए। सरकार ने क्या कदम उठाए? भूकंप के बाद मिस्र के स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्री खालिद अब्देल–गफ्फार ने देश की स्वास्थ्य आपातकालीन योजना को तुरंत लागू करने और मंत्रालय के केंद्रीय संकट एवं आपातकालीन संचालन कक्ष की बैठक बुलाने का आदेश दिया। मंत्रालय ने देशभर के अस्पतालों में आपातकालीन और गंभीर मरीजों के इलाज वाले विभागों में अलर्ट का स्तर बढ़ा दिया है। साथ ही एंबुलेंस और तुरंत कार्रवाई करने वाली टीमों को तैयार रहने को कहा है। मंत्रालय ने कहा, स्वास्थ्य स्थिति सामान्य बनी हुई है और भूकंप से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। मिस्र के रेड क्रिसेंट ने भी उन शहरों में आपात तैयारियां शुरू कर दी हैं, जहां भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। संगठन ने बताया कि उसे किसी की मौत या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई सूचना नहीं मिली है। मिस्र में क्यों आते हैं भूकंप? मिस्र स्वेज की खाड़ी, लाल सागर और अकाबा की खाड़ी के आसपास सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों के पास स्थित है। इसी वजह से यहां कभी–कभी मध्यम स्तर के भूकंप आते हैं, हालांकि, ज्यादातर भूकंपों से बहुत कम या कोई नुकसान नहीं होता। मिस्र भूमध्य सागर क्षेत्र में स्थित है, जहां अफ्रीकी प्लेट यूरेशियन प्लेट के नीचे खिसकती है। इस कारण उत्तरी मिस्र में मध्यम से तेज भूकंपीय गतिविधियां महसूस की जाती हैं।

तो खत्म होने वाला है पश्चिम एशिया में युद्ध, ट्रंप ने क्यों रोके हमले?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके और इस्राइल के बीच अब ईरान पर हमले रोकने पर सहमति बन गई है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के साथ महीनों पुरानी जंग को रोकने के लिए एक समझौता हुआ है, जिस तक दोनों देश तेजी से पहुंचे हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका–इस्राइल के ईरान पर साझा हमलों के बाद से ही पश्चिम एशिया लगातार जंग की आग में सुलग रहा है। जून के मध्य में अमेरिका–ईरान के बीच युद्ध विराम पर समझौता भी हुआ थआ, लेकिन कुछ ही दिनों के अंदर ही होर्मुज के मुद्दे पर दोनों देश फिर आमने–सामने आ गए और हमलों का एक लंबा दौर जारी रहा। इसी पूरे घटनाक्रम के बीच अब ट्रंप ने ईरान के साथ नए समझौते तक पहुंचने का एलान कर दिया है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर फरवरी से जारी अमेरिका–ईरान संघर्ष को ट्रंप ने दूसरी बार रोकने का फैसला क्यों लिया है? इसे लेकर ईरान का क्या कहना है? ट्रंप ने दोनों देशों के जिस समझौते तक पहुंचने की बात कही है, वह क्या है? क्या इससे दोनों देशों की जंग खत्म होने की संभावना है? आइये जानते हैं...

ट्रंप ने फिर क्यों रोके ईरान पर हमले?

1. ट्रंप का क्या दावा?

अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एलान किया था कि अमेरिका ईरान पर हमले के लिए बिल्कुल तैयार है, लेकिन तेहरान (ईरान) और कुछ अन्य पश्चिम एशियाई देशों ने उनसे नए हमले रोकने की अपील की है, क्योंकि आगामी समझौते के परिमाप (बाहरी मुद्दों) पर सहमति बन चुकी है। ट्रंप ने आगे कहा, ष्इस अनुरोध के बाद उन्होंने दुनिया के भले और एक सफल और समृद्ध ईरान के लिए मैंने हमले रोकने पर हामी भर दी।ष हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने शर्त जोड़ते हुए कहा कि यह ईरान की जल्द से जल्द समझौता करने की क्षमता पर निर्भर है। उन्होंने आगे कहा, ष्ईरान पर हमले न करने की प्रतिबद्धता में इस्राइल भी शामिल है। काम में जुटें सभी लोग और इसे (समझौते को) पूरा करें। अमेरिकी सरकार और व्हाइट हाउस की तरफ से राष्ट्रपति के इन पोस्ट्स पर आगे की जानकारी नहीं दी गई। यह भी साफ नहीं है कि जिस समझौते तक ट्रंप जल्द पहुंचने की बात कर रहे हैं, उसमें कौन शामिल है और इसमें मध्यस्थता कौन कर रहा है।

2. सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस की रही भूमिका?

इस बीच अमेरिकी मीडिया ग्रुप एक्सिओस ने दावा किया है कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ने हाल ही में ट्रंप से बात की और ईरान के खिलाफ अमेरिका के बड़े स्तर के नए हमलों का सख्त विरोध किया। रिपोर्ट में कहा गया कि सलमान ने ट्रंप से तनाव को कम करने और नए हमले रोकने का अनुरोध किया।

3. ट्रंप को अमेरिका के कम होते हथियारों के जखीरे की चिंता? इस बीच सेंटर फॉर स्ट्रैटिजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) की तरफ से की गई एक रिसर्च में कहा गया कि ईरान से युद्ध में अमेरिका के हथियारों के जखीरे पर भारी असर पड़ा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

शेख हसीना: दो साल बाद पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस, बांग्लादेश वापसी का हो सकता है एलान, क्यों चुनी 5 अगस्त की तारीख?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पांच अगस्त को नई दिल्ली में मीडिया से पहली बार वर्चुअल संवाद करने की संभावना है। दक्षिण एशिया के फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब (एफसीसी साउथ एशिया) की ओर से नई दिल्ली में आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम में वह अपने भविष्य की योजनाओं और बांग्लादेश लौटने के प्रस्तावित कार्यक्रम पर बात करेंगी। सत्ता से बेदखली के दो साल बाद क्यों चुनी पांच अगस्त की तारीख? बांग्लादेश में सत्ता से बेदखल होकर शेख हसीना पांच अगस्त 2024 को ही बांग्लादेश छोड़कर भारत आई थीं। इसी के चलते उन्होंने संवाद के लिए इसी तारीख को चुना है। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद उनकी अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। तब से वह भारत में रह रही हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश की बीएनपी सरकार लगातार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करती रही है। यह कार्यक्रम शेख हसीना की सरकार के पतन की दूसरी वर्षगांठ के दिन आयोजित किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि इस दौरान शेख हसीना बांग्लादेश वापसी की अपनी योजना की घोषणा करेंगी और देश के लिए अपना विजन पेश करेंगी। कार्यक्रम में कौन–कौन होगा शामिल? इस कार्यक्रम में शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय भी शामिल होंगे। माना जा रहा है कि वह भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसके अलावा अवामी लीग के नेता और पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी नोफेल के साथ पूर्व क्रिकेटर व सांसद शाकिब अल हसन भी कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। बांग्लादेश ह्यूमन राइट्स वॉच के महासचिव मोहम्मद अली सिद्दीक, बांग्लादेश ह्यूमन राइट्स वॉच यूएसए के निदेशक शाह मोहम्मद बख्तियार, सुरक्षा मामलों के विश्लेषक अमीनुल हक पोलाश और आतंकवाद निरोधक मामलों के विशेषज्ञ अबू ओबैधा अरिन भी कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इनमें कुछ लोग प्रत्यक्ष रूप से मौजूद रहेंगे, जबकि कुछ वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। क्या दिसंबर तक बांग्लादेश लौट जाएंगी शेख हसीना? ढाका के एक न्यायाधिकरण ने छात्र आंदोलन पर कार्रवाई के दौरान घातक बल के इस्तेमाल का आदेश देने के मामले में शेख हसीना को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। हाल के इंटरव्यू में हसीना कह चुकी हैं कि वह दिसंबर तक बांग्लादेश लौटकर अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहती हैं। बांग्लादेश के कानून मंत्री एम. असदुज्जमान ने पिछले सप्ताह कहा था कि अगर हसीना भारत से लौटती हैं तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। भारत में मौजूदगी पर विवाद क्यों?

भारत में शेख हसीना की मौजूदगी बांग्लादेश की सरकार के साथ द्विपक्षीय संबंधों में एक प्रमुख विवाद का विषय बनी हुई है। बांग्लादेश सरकार ने स्थानीय मीडिया को हसीना के इंटरव्यू प्रकाशित या प्रसारित करने से भी रोक रखा है। आतंकवाद विरोधी कानून के तहत अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध अब भी जारी है। इसके बावजूद पार्टी के कई नेताओं ने इस वर्ष बांग्लादेश लौटकर संगठन को फिर से सक्रिय करने की मंशा जताई है। बांग्लादेश वापसी पर क्या है हसीना की राय? शेख हसीना ने मई में दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उनकी वापसी ष्बांग्लादेश में लोकतांत्रिक माहौल, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकारों और कानून के शासन की बहालीष पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा था कि यह देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा तथा जनता के समग्र कल्याण के लिए भी जरूरी है।

होर्मुज के पास टैंकर के नजदीक धमाका, UKMTO ने जारी किया अलर्ट, जहाज और चालक दल सुरक्षित

लंदन , एजेंसी। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्वी प्रवेश द्वार के पास एक तेल टैंकर के नजदीक विस्फोट की आवाज सुनी गई। हालांकि, जहाज और उस पर सवार सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। यूकेएमटीओ की ओर से रविवार को जारी एडवाइजरी के अनुसार, एजेंसी को रविवार को ग्रीनविच समयानुसार रात 8रू37 बजे जहाज के कप्तान से इसकी सूचना मिली। कप्तान ने बताया कि जब जहाज ओमान के खासाब से लगभग 20 समुद्री मील उत्तर–पूर्व में था, तभी उसके पास विस्फोट की आवाज सुनाई दी। जहाजों को सतर्क रहने की सलाह यूकेएमटीओ ने इस क्षेत्र से गुजरने वाले सभी जहाजों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना एजेंसी को देने की सलाह दी है। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर बढ़े तनाव के बीच हाल के दिनों में यूकेएमटीओ ने समुद्री सुरक्षा से जुड़े कई घटनाक्रम दर्ज किए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, इनमें से अधिकतर घटनाएं ओमान के तट और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास हुई हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (वॉशिंगटन समयानुसार) कहा कि ईरान के साथ वार्ता सोमवार दोपहर से शुरू होगी। उन्होंने दावा किया कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर ने अमेरिका से प्रस्तावित सैन्य हमले रोकने का अनुरोध किया है, क्योंकि ष्उन्हें लगता है कि समझौता हो सकता है। क्या अमेरिका–ईरान के बीच बन गई बात? जॉइंट बेस एंड्रयूज जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, ष्होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर समझौता होगा और उसके बाद परमाणु मुद्दे, या कहें ईरान के परमाणु निरस्त्रीकरण पर भी समझौता होगा।ष ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान ने भी अमेरिका से प्रस्तावित हमलों को रोकने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, ष्अब हम उनके साथ बातचीत और वार्ता के रास्ते आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद ने शनिवार को ट्रंप से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ईरान के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर चिंता जताई और स्थिति पर स्पष्ट जानकारी मांगी। उधर, पाकिस्तान, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये और कई अन्य देशों ने भी अमेरिका और ईरान से तनाव कम करने तथा आगे किसी भी तरह के संघर्ष से बचने की अपील की है।

इंसानियत की मिसाल: फ्रांस में जान जोखिम में डालकर 100 से ज्यादा कुत्ते, बिल्ली व घोड़ों को बचाया गया

बोर्डो (फ्रांस), एजेंसी। दक्षिण–पश्चिमी फ्रांस के गिरोंद क्षेत्र में लगी भीषण जंगल की आग ने हजारों लोगों को घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया, लेकिन इस त्रासदी के बीच एक ऐसा मानवीय चेहरा भी सामने आया जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। धधकती आग, जहरीले धुएं और हर पल मंडराते खतरे के बावजूद स्वयंसेवकों ने अपनी जान की परवाह किए बिना पीछे छूट गए

100 से अधिक कुत्तों, बिल्लियों, घोड़ों और अन्य बेजुबान जीवों को बचा लिया है और अभी यह अभियान जारी है। आग की लपटों के बीच बेजुबान जानवरों की रक्षा के लिए इस स्तर पर चलाया गया यह अभियान हाल के वर्षों में शायद ही कहीं देखने को मिला हो। गिरोंद में लगी आग पेरिस के क्षेत्रफल से लगभग चार गुना बड़े इलाके में फैल गई थी। प्रशासन ने हजारों लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, लेकिन अचानक हुए इस पलायन में अनेक परिवार अपने पालतू जानवरों को साथ नहीं ले जा सके। कई लोग रोते हुए अपने घरों से निकले, क्योंकि उन्हें यह नहीं पता था कि वे अपने प्रिय साथी को दोबारा कभी देख पाएंगे या नहीं। जब लपटों के बीच तोड़ना पड़ा घर डेविड विशेष वाहन में पानी और पशु आहार लेकर आग प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे। पुलिस की अनुमति से वे कई बार उन इलाकों तक गए, जहां आग गुजर चुकी थी या तेजी से बढ़ रही थी। आग तेजी से मकान की ओर बढ़ रही थी। सबसे मार्मिक घटना तब सामने आई जब एक दंपती के चार कुत्ते जलते इलाके में घर के भीतर फंसे डेविड और उनकी टीम ने जोखिम उठाकर घर का हिस्सा तोड़ा और अंतिम क्षणों में चारों कुत्तों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बाद में जब कुत्ते अपने मालिकों से मिले तो वहां मौजूद कई लोगों की आंखें नम हो गई।

चुनाव प्रचार के बीच टल सकता है शटडाउन का खतरा, सीनेट ने किस फंडिंग बिल पर बनाई सहमति?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कुछ प्रमुख सांसदों ने रविवार को एक अल्पकालिक व्यय विधेयक पेश किया। इसका मकसद यह है कि संघीय सरकारी एजेंसियों के पास मध्यावधि चुनाव के बाद और दिसंबर की शुरुआत तक काम करने के लिए पैसा बना रहे। इससे चुनाव प्रचार के बीच सरकार बंद (शटडाउन) होने से बच सकेगी। उम्मीद है कि सीनेट इस विधेयक पर इस हफ्ते के अंत तक मतदान करेगी। इसके बाद सांसद हर साल होने वाले अगस्त अवकाश पर वॉशिंगटन से अपने–अपने क्षेत्रों में चले जाएंगे। इस दौरान कई सांसद राजधानी में काम करने के बजाय अपने दोबारा चुनाव जीतने की तैयारी करना चाहते हैं। दिसंबर तक फंडिंग के लिए क्या है सीनेट का प्लान?

इस विधेयक में 11 दिसंबर तक अमेरिका की संघीय सरकार को मौजूदा स्तर पर खर्च के लिए पैसा मिलता रहेगा। प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) पहले ही ऐसा ही एक विधेयक पारित कर चुकी है। लेकिन उसमें व्हाइट हाउस की मांगी गई कुछ खास छूट शामिल नहीं थीं। पिछले कुछ दिनों से सांसद यह तय करने के लिए बातचीत कर रहे थे कि उन छूटों में से किन–किन को इस विधेयक में शामिल किया जाए। ट्रंप की कौन–सी मांग हुई खारिज? डेमोक्रेट नेताओं ने बताया कि एक मांग इस विधेयक में शामिल नहीं की गई। यह मांग सरकार की ओर से 1 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करके श्ट्रंप–क्लासश युद्धपोत (बैटलशिप) बनाने के लिए थी। समय से पहले क्यों हुई तैयारी? गर्मी के मौसम के आखिर में इस तरह पहले से फंडिंग का इंतजाम करना आम बात नहीं है। आम तौर पर अमेरिकी कांग्रेस (संसद) सरकार के खर्च के लिए पैसा जारी रखने वाला अस्थायी कानून समय सीमा खत्म होने से ठीक पहले, आखिरी दिनों या आखिरी घंटों में पारित करती है। लेकिन इस बार सीनेटर 30 सितंबर को वित्तीय वर्ष खत्म होने से करीब दो महीने पहले ही यह काम कर रहे हैं। तीसरे शटडाउन से बचना चाहता है अमेरिका? सीनेट में बहुमत दल के नेता जॉन थ्यून ने कहा कि अगस्त की छुट्टियों से पहले इस विधेयक को पारित कराना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 महीनों में अमेरिकी जनता दो बार रिकॉर्ड लंबे समय तक सरकारी शटडाउन का सामना कर चुकी है। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लोगों को तीसरी बार सरकारी शटडाउन का सामना न करना पड़े।

'मूर्ख की ताकत खत्म हो गई': US-ईरान के बीच जुबानी जंग तेज, ट्रंप के किस दावे का ईरानी मीडिया ने उड़ाया मजाक?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर संभावित सैन्य हमले को अस्थायी रूप से टालने की घोषणा के बाद ईरानी मीडिया ने उन पर तीखा हमला बोला और उनका मजाक उड़ाया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह फैसला क्षेत्र के कुछ देशों के अनुरोध के बाद लिया गया। डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, ष्ईरान और अन्य पश्चिम एशियाई देशों ने हमसे किसी भी हमले को रोकने का अनुरोध किया है, क्योंकि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन गई है।ष उन्होंने यह भी कहा कि इस समझ के तहत ष्होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल, पूरी तरह और पूर्ण रूप से खोल दिया जाएगा।ष ईरान ने ट्रंप पर तंज कसते हुए क्या कहा? वहीं, ईरान के सरकारी मीडिया में ऐसी कोई खबर नहीं आई, जिसमें सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए किसी अनुरोध की पुष्टि की गई हो या होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तेहरान के रुख में किसी बदलाव का संकेत दिया गया हो। इसके बजाय ईरानी समाचार एजेंसियों ने इस घटनाक्रम को अमेरिका के पीछे हटने के रूप में पेश किया। अर्द्ध–सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने इस खबर को प्रकाशित करते हुए लिखा, ष्मूर्ख ट्रंप की ताकत खत्म हो गई है।ष वहीं, अर्द्ध–सरकारी समाचार एजेंसी मेहर ने इस दावे को खारिज किया कि तेहरान ने हमले रोकने का अनुरोध किया था। एजेंसी ने लिखा, ष्ट्रंप एक बार फिर अपनी खोखली धमकियों से पीछे हट गए और दुनिया के सामने अपनी वापसी को एक एहसान की तरह पेश किया। क्या खत्म हो गए अमेरिका के हथियार? मेहर ने सैन्य अधिकारियों के हवाले से ट्रंप के बयान को एक और झूठष करार दिया। एजेंसी ने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल ष्पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।ष ईरानी मीडिया ने पश्चिमी मीडिया की उन खबरों का भी हवाला दिया, जिनमें अमेरिकी वायु रक्षा मिसाइलों के भंडार में कमी की बात कही गई है। अर्द्ध–सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने दावा किया कि यही कमी ष्ईरान पर हमला रोकने के डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के प्रमुख कारणों में से एक है।

तेहरान की प्रतिक्रिया के बावजूद ट्रंप ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से बातचीत के बाद कहा कि अमेरिकी सेना ष्पूरी तरह तैयार है और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए तत्पर है।

UNSC सीट के लिए भारत ने बढ़ाए कदम: यूएन प्रतिनिधिमंडल से सिबी जॉर्ज की अहम मुलाकात, बहुपक्षवाद पर रखा पक्ष

यूएन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत ने अपनी कूटनीतिक सक्रियता और वैश्विक नेतृत्व की दावेदारी को एक बार फिर मजबूती से सामने रखा है। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम)

सिबी जॉर्ज ने भारत दौरे पर आए संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल की अगवानी की और उनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने बहुपक्षवाद, वैश्विक सुधारों और संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका को लेकर देश का दृष्टिकोण साझा किया। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वर्ष 2028–29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (स्छैब्) की गैर–स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी पेश की है। भारत इस कार्यकाल के दौरान वैश्विक शांति, विकास और विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने पर जोर दे रहा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।